हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 333 बेमेतरा, बुधवार 29 जुलाई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

विश्व मंच पर छत्तीसगढ़ की बेटी का दमदार प्रदर्शन मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वीडियो कॉल पर दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में महिलाओं की 53 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव निवासी एवं छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक ज्ञानेश्वरी यादव से वीडियो कॉल के माध्यम से आत्मीय बातचीत कर उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री साय ने ज्ञानेश्वरी यादव को रजत पदक जीतने पर पुनः बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता वर्षों की कठिन साधना और निरंतर परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ज्ञानेश्वरी भविष्य में भी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत और छत्तीसगढ़ का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आपसे प्रतियोगिता के लिए रवाना होने से पहले भी मुलाकात हुई थी और आज आपकी सफलता पर पुनः बात करके अत्यंत

प्रसन्नता हो रही है। आपने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि प्रदेश की प्रतिभाएं विश्व मंच पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। ज्ञानेश्वरी यादव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आत्मीय स्नेह, प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का आशीर्वाद और प्रदेशवासियों का स्नेह उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि राजनांदगांव निवासी ज्ञानेश्वरी यादव छत्तीसगढ़ पुलिस में सहायक उप निरीक्षक के रूप में सेवाएं दे रही हैं। खेल और सेवा, दोनों क्षेत्रों में उनका समर्पण युवाओं के लिए प्रेरणादायी है।

ईओडब्ल्यू ने कांकेर में 18 साल पुराने मनरेगा अनियमितता मामले में आठ अधिकारियों के खिलाफ चालान किया पेश

रायपुर। कांकेर जिले में वर्ष 2006-07 और 2007-08 के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के क्रियान्वयन में कथित वित्तीय अनियमितताओं के मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विशेष अदालत, कांकेर में तत्कालीन जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित आठ अधिकारियों के खिलाफ लगभग छह हजार पन्नों का चालान प्रस्तुत किया है। ईओडब्ल्यू से मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार, जांच में आठ ग्राम पंचायतों में मनरेगा के अंतर्गत सामग्री खरीद के दौरान एक करोड़ 69 लाख 14 हजार 247 रुपये की वित्तीय अनियमितता सामने आई। जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद आरोपियों के विरुद्ध अदालत में अभियोजन चालान पेश किया गया। जांच एजेंसी के मुताबिक तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ केपी देवांगन ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना जिला स्तर पर सामग्री की केंद्रीकृत

खरीदी कराई, जबकि नियमों के अनुसार सामग्री खरीदने का अधिकार संबंधित जनपद पंचायतों और ग्राम पंचायतों को प्राप्त था। जांच में यह भी पाया गया कि फ्लेक्सी बोर्ड, मस्टर रोल सत्यापन पत्रक, रोजगार गारंटी योजना की गाइडलाइन, रोजगार उपलब्धता रजिस्टर, फाइल कवर, मस्टर रोल पत्रक तथा श्रमिक जानकारी पत्रक सहित विभिन्न सामग्रियों की खरीदी निर्धारित निविदा एवं शासकीय प्रक्रिया का पालन किए बिना की गई। चालान में देवांगन के अलावा तत्कालीन जनपद पंचायत सीईओ राधाकांत कर (कांकेर), गोवर्धन गजबल्ला (नरहरपुर), परदेशी राम मरकाम (चारामा), भारत राम नेताम (अंतागढ़), रामकिशुन ध्रुव (कोयलीबेड़ा), जीआर ठाकुर (भानुप्रतापपुर) तथा संवालदास बघेल (दुर्गकोंदल) को आरोपी बनाया गया है।

ईओडब्ल्यू की जांच के अनुसार सभी आरोपियों ने कथित रूप से आपसी मिलीभगत से निविदा और शासकीय खरीद संबंधी नियमों की अनदेखी की तथा पद का दुरुपयोग कर सरकारी राशि के अनियमित उपयोग को अंजाम दिया। मामले में आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 409 और 420 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(सी), 13(1)(डी) और 13(2) के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की गई है। ईओडब्ल्यू ने यह भी बताया कि मुख्य आरोपी केपी देवांगन के विरुद्ध भ्रष्टाचार एवं पद के दुरुपयोग से जुड़े दो अन्य मामले पहले से लंबित हैं।

आरएसएस ने टी.जी. मोहनदास की टिप्पणियों की निंदा की

संगठन को उनके विचारों से किया अलग

कोच्चि। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने दिल्ली में हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनो, जिनमें सीजेपी का प्रदर्शन भी शामिल हैं, के संबंध में टी.जी. मोहनदास की टिप्पणियों की कड़ी निंदा की है। संघ ने कहा है कि उनके बयान उनकी निजी राय थे और वे संगठन के विचार नहीं हैं। 'आरएसएस के दक्षिण केरल प्रांत सह-कार्यवाह के.बी. श्रीकुमार ने कहा कि संगठन का मोहनदास द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से कोई संबंध नहीं है और वह किसी भी तरह से ऐसी राय का समर्थन या उनसे सहमति नहीं रखता है।

श्रीकुमार ने कहा, हाल के विरोध-प्रदर्शनों पर मोहनदास की टिप्पणियां उनके निजी विचार हैं। वे किसी भी स्तर पर आरएसएस के पदाधिकारी नहीं हैं, आरएसएस उनके विचारों से सहमत नहीं है और ऐसे बयानों की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा करता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि मोहनदास आरएसएस में किसी भी स्तर पर कोई ज़िम्मेदारी या पद नहीं संभालते हैं। इस बीच, केरल सरकार ने नीट विरोध प्रदर्शनों में शामिल लोगों के ख़िलाफ़ मोहनदास के कथित नफ़रत भरे भाषण की पुलिस जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह उनके कथित बयानों की जांच करे और सरकार को रिपोर्ट सौंपे। सरकार ने जांच का आदेश उन कथित बयानों की व्यापक आलोचना के बाद दिया जिन्हें उकसाने वाला और भड़काऊ बताया गया है।

छत्तीसगढ़ में 48 घंटे भारी बारिश का अलर्ट, बारिश से जुड़े हादसों ने बढ़ाई चिंता

रायपुर। बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दवाब के क्षेत्र के प्रभाव से छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटे तक मौसम के प्रतिकूल बने रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान विभाग ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश, गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। इस बीच प्रदेश में बारिश से जुड़े हादसों का सिलसिला भी जारी है। दुर्ग जिले में अलग-अलग डूबने की घटनाओं में तीन युवाओं की मौत हो गई।

वहीं सारंगढ़-बरमकेला जिले में लाट नाले में बही कार में सवार पूर्व सरपंच देवनारायण पटेल और उनकी पत्नी का 36 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है।

दोनों की तलाश के लिए राहत एवं बचाव अभियान जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान रायपुर और बिलासपुर संभाग के अनेक क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि

कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई। विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में अब तक मानसून के दौरान हुई कुल बारिश सामान्य से 21 प्रतिशत कम दर्ज की गई है। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस पेंड्रारोड में दर्ज किया गया। वहीं सबसे न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस भी पेंड्रारोड में दर्ज किया गया। राजधानी रायपुर में मंगलवार को दिनभर बादल छाए रहने, रुक-रुक कर बारिश होने तथा गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है।

ओडिशा में भारी बारिश, तीन जिलों के लिये 'रेड अलर्ट' जारी

भुवनेश्वर। मौसम विभाग ने ओडिशा के तीन जिलों के लिये भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश भी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, तटीय इलाके में एक गहरे दबाव का क्षेत्र मंगलवार सुबह उत्तर ओडिशा और उससे सटे पश्चिम बंगाल के ऊपर केंद्रित हो गया।

अगले 24 घंटों के दौरान इस मौसम प्रणाली के उत्तर ओडिशा, दक्षिण झारखंड और उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है। इसके कारण पिछले 24 घंटों के दौरान कई जिलों में भारी वर्षा दर्ज की गई। बालेश्वर शहर में सबसे अधिक 25 सेमी बारिश दर्ज की गई, जबकि नीलगिरि, जलेश्वर और रेमुणा में 24-24 सेमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने सुंदरगढ़, क्योंझर और मयूरभंज जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है, जिसमें कई स्थानों पर बहुत भारी और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है।

आंध्र प्रदेश में ट्रक-वैन की टक्कर से तीन श्रद्धालुओं की मौत, नौ घायल

विजयानगरम। आंध्र प्रदेश में विजयानगरम जिले के चेल्लुरु गांव के पास मंगलवार को तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी वैन को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि नो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस के अनुसार तीन परिवार के करीब 16 लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ओडिशा के रायगड़ा जा रहे थे। जब उनकी वैन चेल्लुरु गांव के पास रुकी, तभी पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में चिंतापल्ली रामबाबू (50), मज्जी

नारायण राव (50) और बी. मोहन नायडू (8) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। दुर्घटना में घायल हुए नौ लोगों को तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों के अनुसार दो लोगों की हालत बेहद चिंताजनक बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया और यातायात सुचारू कराया।

सुप्रीम कोर्ट का बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले छात्रों को रिहा करने के निर्देश

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह हुए विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेने पर गिरफ्तार या हिरासत में लिए गए उन सभी छात्रों को मंगलवार को रिहा करने का आदेश दिया जिनका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। इसके साथ ही न्यायालय ने केंद्र सरकार और असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा केरल सरकारों से जवाब मांगा है। न्यायालय ने यह भी कहा कि राष्ट्रव्यापी छात्र विरोध प्रदर्शनों के दौरान छात्रों और पुलिस कर्मियों को आई चोटों के आरोपों की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच जरूरी है। न्यायालय ने इस मामले में अंतरिम निर्देशों की एक श्रृंखला जारी करते हुए यह भी संकेत दिया कि वह अपने एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल का गठन कर सकती है।

राज्यसभा में विपक्ष अड़ा, हंगामे के कारण कार्यवाही दो बजे तक स्थगित

नयी दिल्ली। नीट यूजी परीक्षा लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर धरना देने और संसद मार्च निकालने वाले छात्रों तथा अन्य प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के बारे में गृह मंत्री अमित शाह के जवाब पर अड़े विपक्ष ने लगातार सातवें दिन मंगलवार को भी राज्यसभा में हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। मानसून सत्र का आज सातवां दिन है और छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के बारे में शाह के बयान की मांग को लेकर विपक्ष के हंगामे के चलते अब तक एक दिन भी शून्यकाल और प्रश्नकाल की कार्यवाही नहीं हो सकी है। सभापति सी पी राधाकृष्णन ने विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे जाने के बाद जैसे ही शून्यकाल की कार्यवाही शुरू की विपक्ष के सदस्यों ने अपनी जगहों से उठकर शाह के बयान की मांग करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी।

सभापति ने हंगामे के बीच ही शून्यकाल चलाना चाहा लेकिन शोर शराबा बढ़ता देख उन्होंने सदन की कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी।

सड़क हादसों में तीन की मौत

बाइक सवारों को ट्रक ने मारी टक्कर, महिला को विद्युत विभाग की गाड़ी ने कुचला

बस्तर/मनेन्द्रगढ़/दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ में सड़क हादसे कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। इसी कड़ी में तीन जिलों में सोमवार-मंगलावर को हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। बस्तर में डंपर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई और मनेन्द्रगढ़ में कार की टक्कर से गिरी महिला को विद्युत विभाग की गाड़ी ने कुचल दिया, तो वही दंतेवाड़ा में ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गई।

टिप्पर की टक्कर से बाइक सवारों की मौत

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर-चित्रकोट मुख्य मार्ग पर सोमवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। बड़ांजी थाना क्षेत्र के अंतर्गत छापर भानपुरी के पास तेज रफ्तार टिप्पर ने पीछे से एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार दोनों युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बाइक सवार अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से तेज गति से आ रहे टिप्पर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही बड़ांजी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज डिमरापाल, जगदलपुर भिजवाया। मृतकों की पहचान छापर भानपुरी निवासी पीलाराम कश्यप और जीरो राम के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। साथ ही टिप्पर और उसके चालक की तलाश की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है।

केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के पुनर्गठन की तैयारी, सरकार ने गठित की समिति

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (सीएससीएस) के कैडर पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सीएससीएस के कैडर पुनर्गठन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति समय-समय पर होने वाली कैडर समीक्षा के तहत सेवा संरचना, कार्यभार और प्रशासनिक आवश्यकताओं का आकलन करेगी। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सीएससीएस कैडर की समीक्षा एक नियमित नीतिगत प्रक्रिया है, जिसमें कैडर की वर्तमान संख्या, बदलती प्रशासनिक जरूरतों और कार्यात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुनर्गठन पर निर्णय लिया जाता है। सरकार ने यह भी बताया कि वित्त मंत्रालय में कार्यरत मल्टी टास्किंग स्टाफ(एमटीएस) कर्मचारियों के लिए पदोन्नति के अवसर उपलब्ध हैं। रिक्त पद उपलब्ध होने पर पात्र एमटीएस कर्मचारियों को जूनियर सचिवालय सहायक (जेएसए) के पद पर पदोन्नत किया जाता है, जो केंद्रीय सचिवालय लिपिक सेवा का हिस्सा है। उत्तर में कहा गया है कि पात्र कर्मचारियों को रिक्तियों के अनुसार नियमित पदोन्नति दी जाती है। यदि किसी कर्मचारी को समय पर पदोन्नति नहीं मिलती है, तो उसे संशोधित सुनिश्चित कैरियर प्रगति (एमएसीपी) योजना के तहत वित्तीय उन्नयन का लाभ दिया जाता है। सरकार के अनुसार नवगठित समिति कैडर समीक्षा के दौरान सेवा संरचना और पदानुक्रम का परीक्षण करेगी तथा भविष्य की प्रशासनिक आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक सुधारों पर अपनी सिफारिशें देगी। सरकार का कहना है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य केंद्रीय सचिवालय की कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ कर्मचारियों के कैरियर विकास को भी अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना है।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
Ministry Of Personnel, Public Grievances & Pensions
सत्यमेव जयते

केंद्र सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है

मेटा ने तकनीकी त्रुटि बताकर हटाया प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो बहाल किया, केंद्र ने किया तलब

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो हटाए जाने के मामले में मेटा के वैश्विक प्रमुख को तलब किया है। इस बीच मेटा ने वीडियो हटाए जाने पर खेद व्यक्त करते हुए कहा है कि यह कार्रवाई तकनीकी त्रुटि के कारण हुई थी और वीडियो को बहाल कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार इस घटना को गंभीरता से ले रही है और मेटा की ओर से दी गयी तकनीकी त्रुटि की सफाई के साथ-साथ उन परिस्थितियों की भी जांच कर रही है, जिनके कारण वीडियो हटाया गया। इसी सिलसिले में मंत्रालय ने

मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम) के अधिकारियों को तलब किया है।

मेटा के प्रवक्ता ने वीडियो बहाल होने के बाद मंगलवार को जारी एक बयान में कहा, यह सामग्री गलती से हटा दी गयी थी और अब उसे बहाल कर दिया गया है।

मोदी का यह वीडियो 23 जुलाई को अपलोड किया गया था, जिसमें उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा आयोजित छात्र प्रदर्शन के दौरान 'जेन-ज़ेड' को संबोधित करते हुए शिक्षा सुधारों और परीक्षा प्रणाली पर अपनी बात रखी थी। अपने संबोधन में मोदी ने परीक्षा प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रावधान लाने और फास्ट-ट्रैक अदालतों की स्थापना करने की बात कही थी।

साथ ही उन्होंने पेपर लीक के मामलों में सख्त सजा और विशेष अदालतों से संबंधित विधेयक को संसद में पेश करने से पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखने की बात कही थी। उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार ने लगभग 22 लाख छात्रों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित नहीं होने दिया और युवाओं का भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

वीडियो बहाल किए जाने से पहले भारत में फेसबुक उपयोगकर्ताओं को एक संदेश दिखाई दे रहा था, जिसमें कहा गया था कि कानूनी अनुरोध के बाद इस वीडियो की क्षेत्रीय स्तर पर उपलब्धता सीमित कर दी गई है।

थर्मल ड्रोन से लैस हुआ बस्तर वन मंडल : अब रात में भी होगी जंगलों की निगरानी

वन्यजीवों की सुरक्षा, अवैध कटाई और शिकार पर लगेगी लगाम, जल्द बस्तर को मिलेगा अपना थर्मल ड्रोन

जगदलपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग – बस्तर के घने जंगलों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण के लिए बस्तर वन मंडल अब आधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है। वन विभाग द्वारा कांकेर वन मंडल के सहयोग से थर्मल इमेजिंग ड्रोन कैमरे के माध्यम से जंगलों और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रूप से रात्रिकालीन निगरानी की जा रही है। इस तकनीक से वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ अवैध कटाई, लकड़ी तस्करी और शिकार जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिल रही है।थर्मल इमेजिंग तकनीक शरीर की ऊष्मा हीट सिग्नेचर को पहचानने में सक्षम है। इसके माध्यम से घने जंगलों और रात के अंधेरे में भी वन्यजीवों एवं मानव गतिविधियों का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इससे वन विभाग को भालू, तेंदुआ, हाथी सहित अन्य वन्यजीवों की गतिविधियों की सटीक जानकारी मिल रही है।वन विभाग इस तकनीक का उपयोग मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी कर रहा है। वन क्षेत्र से लगे ग्रामीण इलाकों में यदि हाथियों अथवा अन्य जंगली जानवरों की गतिविधि की सूचना मिलती है, तो थर्मल ड्रोन के जरिए तत्काल निगरानी कर उनकी लोकेशन का पता लगाया जाता है। इसके आधार पर ग्रामीणों को समय रहते सतर्क किया जाता है, जिससे जन-धन की हानि की संभावना कम होती है। इसके अलावा जंगलों में अवैध कटाई, लकड़ी तस्करी और वन्यजीवों के शिकार जैसी गैरकानूनी गतिविधियों पर भी थर्मल ड्रोन प्रभावी साबित हो रहा है। रात के समय भी संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर ड्रोन से प्राप्त फुटेज के आधार पर वन विभाग की क्विक रिस्पांस टीम (क्त्रक्ष्) तत्काल कार्रवाई कर रही है।डीएफओ बस्तर उत्तम गुप्ता ने कहा कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में थर्मल ड्रोन बस्तर वन मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हो रहा है। फिलहाल कांकेर वन मंडल के सहयोग से ड्रोन उपलब्ध कराकर निगरानी की जा रही है तथा जल्द ही बस्तर वन मंडल को भी अपना थर्मल ड्रोन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से रात्रिकालीन गश्त अधिक प्रभावी हुई है और वनकर्मियों की सुरक्षा भी बेहतर हुई है। बस्तर की समृद्ध जैविक विविधता के संरक्षण के लिए वन विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

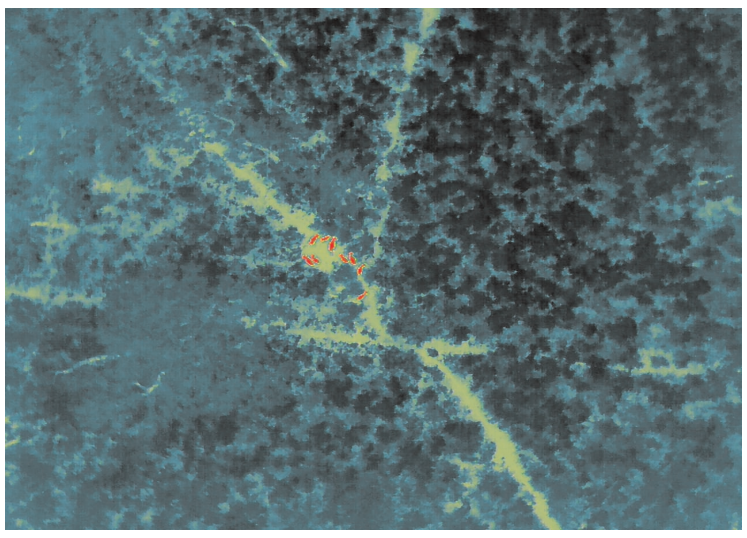

मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड का Q1 मुनाफ़ा 14.17% बढ़ा

हैदराबाद की रिजिड प्लास्टिक पैकेजिंग कंपनी ने 30 जून को खत्म हुई तिमाही में 25.57 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफ़िट दर्ज किया, जबकि एक साल पहले यह 22.40 करोड़ रुपये था। रेवेन्यू सालाना आधार पर 24.90 प्रतिशत बढ़कर 240.56 करोड़ रुपये से 300.45 करोड़ रुपये हो गया। एबिटडा 19.10 प्रतिशत बढ़कर 56.43 करोड़ रुपये हो गया, जबकि प्रति किलोग्राम एबिटडा क्यू1 एफवाय27 में 46.68 रुपये के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर (हिस्टोरिकल हाई) पर पहुंच गया; इसकी तुलना में क्यू1 एफवाय26 में यह 41.64 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसमें बेहतर कैपेसिटी यूटिलाइज़ेशन, हैदराबाद यूनिट्स के कंसोलिडेशन और ज़्यादा मार्जिन वाले फार्मा पैकेजिंग बिज़नेस से बेहतर योगदान का अहम रोल रहा। टैक्स से पहले का प्रॉफ़िट 13.86 प्रतिशत बढ़कर 34.17 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल की इसी तिमाही में यह 30.01 करोड़ रुपये था। चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर जे. लक्ष्मण राव ने कहा: युद्ध जैसी मौजूदा स्थिति के बावजूद, मोल्ड-टेक पैकेजिंग लिमिटेड ने एफवाय 2026-27 की मज़बूत शुरुआत की और 30 जून, 2026 को खत्म हुई पहली तिमाही में शानदार परफॉर्मेंस दी। हैदराबाद में यूनिट्स को एक साथ लाने और ज़्यादा कैपेसिटी का इस्तेमाल करने से बेहतर एबिटडा हासिल हुआ।इस तिमाही के दौरान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, कंपनी के कामकाज, सप्लाई चेन या वित्तीय प्रदर्शन पर कोई खास असर नहीं पड़ा, क्योंकि इनपुट की बढ़ी हुई लागत को ग्राहकों पर प्रभावी ढंग से डाल दिया गया। यह शानदार ऑल-राउंड परफॉर्मेंस, ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर मोल्ड-टेक के पक्के फोकस और हैदराबाद में यूनिट्स को रणनीतिक रूप से एक साथ लाने के नतीजों को दिखाता है, जिससे अब मुनाफ़ा बढ़ रहा है। कंपनी को भरोसा है कि आने वाली तिमाहियों में भी यह सकारात्मक तेज़ी बनी रहेगी, क्योंकि मुख्य सेगमेंट (जैसे फार्मा, फूड और एफएमसीजी) में अच्छी डिमांड है और ऑपरेशनल क्षमता को बेहतर बनाने पर लगातार ज़ोर दिया जा रहा है।उन्होंने कहा, एफवाय 27 की पहली तिमाही में प्रति किलोग्राम एबिटडा रू 46.68 के 'अब तक के सबसे ऊंचे स्तर' (हिस्टोरिकल हाई) पर पहुंच गया, जबकि एफवाय26 की पहली तिमाही में यह रू 41.64 प्रति किलोग्राम था। इसकी वजह बेहतर क्षमता का इस्तेमाल, हैदराबाद यूनिट्स का एकीकरण और ज़्यादा मार्जिन वाले फार्मा पैकेजिंग बिज़नेस से मिला बेहतर योगदान था। फार्मा पैकेजिंग प्लांस पर बात करते हुए, मार्केटिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और फार्मा बिज़नेस डिवीज़न के इंचार्ज जे. राणा प्रताप ने कहा, डायग्नोस्टिक्स समेत फार्मा पैकेजिंग में बहुत बड़ा मौका है और हमारी योजना डोज़ेज पेन जैसे ज़्यादा मुनाफ़े वाले क्षेत्रों में उतरने की है। हम मोल्ड मेकिंग और रोबोटिक्स में अपनी गहरी जानकारी का इस्तेमाल करके जल्द ही इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमी-कंडक्टर पैकेजिंग के क्षेत्र में उतरने के तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं।

लखौली स्कूल में 7 लाख से बनेगा आधुनिक बालिका शौचालय

आरंग। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौली में अध्ययनरत छात्राओं के लिए बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता सुविधा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। 'त्न क्ष्रू त्न' योजना के तहत स्वीकृत 7 लाख रुपये की लागत से बनने वाले आधुनिक बालिका शौचालय का सोमवार को वैदिक विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ भूमिपूजन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत राज्य गीत एवं स्वागत गीत से हुई, जिसने समारोह में समां बांध दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद ग्राम पंचायत सरपंच हिरामन साहू ने कहा कि छात्राओं को स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना पंचायत की प्राथमिक जिम्मेदारी है।?उन्होंने बताया कि इस नए परिसर में अत्याधुनिक सैनिटेशन व्यवस्था, बेहतर जल निकासी, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, इंसिनरेटर और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित ठेकेदार व अधिकारियों को निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए।?विद्यालय परिवार एवं शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक शौचालय बनने से छात्राओं के स्वास्थ्य और स्वच्छता में सुधार होगा, जिससे स्कूल में उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी।?समारोह में उपसरपंच श्रीमती भीमा मोहन साहू, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, पंचगण, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्राएं और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन के बाद प्रसाद वितरण कर आयोजन का समापन किया गया।

दुर्ग, बालोद और बेमेतरा के तुलनात्मक अध्ययन में जुलाई माह में बिजली खपत में 53 से 56 प्रतिशत तक की कमी दर्ज

स्मार्ट मीटर से नहीं बढ़ती बिजली खपत, अध्ययन में सामने आए तथ्य

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल), दुर्ग क्षेत्र द्वारा स्मार्ट मीटर को लेकर फैलाई जा रही भ्रांतियों और अफवाहों के बीच तीन जिलों–दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा–में स्मार्ट मीटर लगे घरेलू उपभोक्ताओं की बिजली खपत का तुलनात्मक अध्ययन कराया गया। मई, जून और जुलाई 2026 के आंकड़ों के विश्लेषण में यह स्पष्ट हुआ कि जुलाई माह में अधिकांश उपभोक्ताओं की बिजली खपत में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। अध्ययन से यह भी सामने आया कि बिजली की खपत स्मार्ट मीटर के कारण नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत उपकरणों के वास्तविक उपयोग पर निर्भर करती है।दुर्ग शहर में 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत वाले 240 चयनित स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अध्ययन में जुलाई माह में कुल बिजली खपत 76,257 यूनिट दर्ज की गई, जबकि जून में यह 1,65,411 यूनिट और मई में 1,75,451 यूनिट थी। इस प्रकार जुलाई में लगभग 53 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। इसी प्रकार बालोद शहर के 241 चयनित स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं में जुलाई माह की कुल खपत 74,847 यूनिट रही, जबकि जून में 1,62,127 यूनिट और मई में 1,54,110 यूनिट दर्ज की गई। यहां भी जुलाई में लगभग 54 प्रतिशत की कमी देखने को मिली।बेमेतरा डिवीजन के बेमेतरा टाउन क्षेत्र में 400 यूनिट से अधिक मासिक खपत वाले 241 चयनित उपभोक्ताओं के विश्लेषण में मई माह की खपत 1,59,812 यूनिट, जून में 1,79,401 यूनिट तथा जुलाई में घटकर 78,902 यूनिट दर्ज की गई। इस प्रकार जुलाई माह में लगभग 56 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई।अध्ययन के दौरान यह भी पाया गया कि जिन उपभोक्ताओं के यहां अभी स्मार्ट मीटर नहीं लगे हैं, उनकी बिजली खपत में भी मई और जून माह में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि तथा जुलाई माह में कमी दर्ज हुई है। इससे स्पष्ट है कि अधिक बिजली खपत का कारण स्मार्ट मीटर नहीं, बल्कि गर्मी के मौसम में एयर कंडीशनर एवं अन्य विद्युत उपकरणों का अधिक उपयोग है।कंपनी ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं की मासिक खपत 400 यूनिट से अधिक रहती है, उन्हें मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान योजना का लाभ नहीं मिल पाता, जिससे उनके बिजली बिल अधिक दिखाई देते हैं। हालांकि जुलाई माह में खपत कम होने से अगस्त में जारी होने वाले बिजली बिलों में राहत मिलने की संभावना है तथा अधिक उपभोक्ता योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। सीएसपीडीसीएल ने यह भी जानकारी दी कि स्वीकृत भार से अधिक बिजली उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अब सप्लाई अफोर्डिंग शुल्क की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब लगातार तीन माह तक उच्चतम मांग अधिक दर्ज होने पर यह राशि वर्ष में केवल एक बार दिसंबर माह के बिल (जो जनवरी में जारी होगा) में जोड़ी जाएगी।

रायगढ़ कलेक्ट्रेट में ACB का बड़ा एक्शन : मुआवजा दिलाने के नाम पर ?50 हजार का हस्ताक्षरित चेक लेते बाबू गिरफ्तार, जानकारी के अनुसार धरमजयगढ़ में भी यह कर्मचारी था कार्यरत

सर्पदंश मुआवजा दिलाने के बदले मांगी रिश्वत

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ कलेक्ट्रेट कार्यालय के राहत एवं आपदा प्रबंधन शाखा में पदस्थ बाबू राजकुमार सिदार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ष्टक्क) बिलासपुर ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उसने वर्ष 2023 में सर्पदंश से मृत महिला की मुआवजा राशि शीघ्र बैंक खाते में जारी कराने के बदले ?50,000 की रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता विजय सिदार ने इसकी शिकायत ष्टक्क से की थी।

नकद नहीं, गारंटी के तौर पर मांगा हस्ताक्षरित चेक–शिकायत के अनुसार आरोपी बाबू ने कहा था कि मुआवजा राशि मिलने के बाद ?50,000 देना होगा और तब तक गारंटी के रूप में ?50,000 का हस्ताक्षरित चेक जमा करना होगा। शिकायत का सत्यापन होने के बाद ष्टक्क ने जाल बिछाया। 28 जुलाई 2026 को जैसे ही शिकायतकर्ता ने आरोपी को हस्ताक्षरित चेक सौंपा, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई

ष्टक्क ने आरोपी राजकुमार सिदार के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अधिकारियों के अनुसार रिश्वत की नकद राशि लेने के बजाय गारंटी के रूप में हस्ताक्षरित चेक मांगकर रिश्वतखोरी करने और उसी आधार पर गिरफ्तारी का यह एक अनोखा मामला माना जा रहा है।

नेवनारा में तीन दिवसीय व्याख्यान एवं संगीत प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल समापन, सैकड़ों प्रशिक्षार्थियों ने लिया प्रशिक्षण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्राम नेवनारा स्थित माँ चंडी आश्रम में आयोजित तीन दिवसीय आवासीय व्याख्यान एवं संगीत प्रशिक्षण कार्यशाला का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण में सफल समापन हुआ। कार्यशाला में जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे सैकड़ों प्रशिक्षार्थियों ने संगीत, मानस व्याख्यान, स्वर-साधना, मंच संचालन और रामचरितमानस गायन की बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संगीतकार उत्तम तिवारी तथा मानस दर्शन के संस्थापक दीपक गुहा सहित कई प्रतिष्ठित संगीत एवं मानस साधकों ने सहभागिता की। दीपक गुहा ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को जोड़ने और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के लिए रामचरितमानस के संवाद और परंपराओं को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।प्रशिक्षण सत्र में त्रेता चंद्राकर, बलराम साहू, विनय ताम्रकार, राजा तंतुवाय, ठोकेलाल देवांगन, राजकुमार ताम्रकार, रोहित गंधर्व, हेमलता साहू, महाराज दीन धीवर, मोतीलाल साहू, टिकेंद्र धीवर, हीरानंद साहू एवं रामा साहू ने प्रशिक्षार्थियों को प्रभावी व्याख्यान शैली, संगीत और मंचीय प्रस्तुति का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।समापन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, जनपद सदस्य रेखा पोषण सिन्हा, सरपंच लोकेश साहू, समाजसेवी देवेंद्र जैन, मनोज तिवारी, शालिक राम वर्मा, डॉ. बी.आर. साहू, खिलेश्वरी साहू सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और रामचरितमानस के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माँ भद्रकाली जिला मानस संघ, बेमेतरा के अध्यक्ष देवलाल सिन्हा ने जिला मुख्यालय में मानस भवन निर्माण की मांग रखते हुए कहा कि इससे मानस साधकों और सांस्कृतिक गतिविधियों को स्थायी मंच मिलेगा। उन्होंने आयोजन की सफलता में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, सहयोगियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में शालिक राम साहू, माखन साहू, विष्णु साहू, गजेंद्र वर्मा, मदन सिन्हा, कल्याणी सेन, लता निषाद, छगन साहू, उत्तम साहू, महेश साहू, नरेंद्र जायसवाल, डॉ. ओंकार चंद्राकर, ईश्वर सिंह राजपूत, महेंद्र चौहान, धर्मेंद्र साहू, रामायण यदु, राजकुमार निषाद, संजय साहू, लोकेंद्र सेन, संतोष साहू, ओम यदु, अजय यदु, डॉ. ललित साहू, श्रीमती ममता साहू, उदयराम वर्मा एवं रामावतार साहू सहित अनेक कार्यकर्ताओं का उल्लेखनीय योगदान रहा।

आलोक सिटी मॉल, संजय मार्केट और शांति लॉज गली में चला विशेष अभियान, नागरिकों एवं व्यापारियों से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन करने की अपील

नालों से निकला 7 ट्रैक्टर-ट्रॉली प्लास्टिक कचरा, आयुक्त ने खुद खड़े रहकर कराई सफाई

रायगढ़/मूक पत्रिका

शहर को जलभराव से मुक्त बनाने के लिए निगम प्रशासन द्वारा लगातार नाला-नालियों की सफाई एवं सुधार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में निगम आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय ने आलोक सिटी मॉल के सामने, संजय मार्केट, सुभाष चौक मार्ग एवं शांति लॉज गली का निरीक्षण कर स्वयं मौके पर खड़े रहकर सफाई एवं जल निकासी संबंधी कार्य कराए।निरीक्षण के दौरान आलोक सिटी मॉल के सामने स्थित नाला चैंबर पूरी तरह जाम मिला। सफाई शुरू होने पर नाला चैंबर से लगभग सात ट्रैक्टर-ट्रॉली पानी की प्लास्टिक बोतलें, डिस्पोजल सामग्री, सिंगल यूज प्लास्टिक, प्लास्टिक की शीशियां, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य ठोस कचरा एवं मलबा निकला। बड़ी मात्रा में जमा इस कचरे के कारण नाला पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था, जिससे बरसात का पानी आगे नहीं बढ़ पा रहा था। इससे बरसात के दौरान संजय मार्केट और सुभाष चौक मार्ग पर जलभराव का प्रमुख कारण बन रही थी।आयुक्त श्री बृजेश सिंह क्षत्रिय ने तत्काल नाला चैंबर की पूरी सफाई कराकर जल निकासी को सुचारु कराया। इसके बाद उन्होंने शांति लॉज गली का निरीक्षण किया, जहां पाया गया कि छोटी नाली का पानी बड़े नाले तक नहीं पहुंच रहा था। समस्या के स्थायी समाधान के लिए सड़क को काटकर छोटी नाली को बड़े नाले से जोड़ा गया तथा पूरी नाली की सफाई कराकर जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। इससे क्षेत्र में वर्षा के दौरान पानी का तेजी से निकास हो सकेगा और जलभराव की समस्या में कमी आएगी।निरीक्षण के दौरान आयुक्त श्री क्षत्रिय ने कहा कि नगर निगम नियमित रूप से नाला-नालियों की सफाई कराता है, लेकिन नागरिकों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्लास्टिक बोतलें, डिस्पोजल, सिंगल यूज प्लास्टिक, थर्माकोल, पैकेजिंग सामग्री तथा अन्य ठोस कचरा नालों में फेंकने के कारण सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। यही कचरा नालों में जमा होकर जल निकासी को बाधित करता है और थोड़ी सी बारिश में भी जलभराव जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।उन्होंने कहा कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक और व्यापारी की जिम्मेदारी है। यदि कचरे का उचित पृथक्करण कर उसे डस्टबिन या नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सौंपा जाए, तो नाला-नालियों के जाम होने की समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है। आयुक्त श्री क्षत्रिय ने शहरवासियों एवं व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि नाला-नालियों में किसी भी प्रकार का कचरा, प्लास्टिक, डिस्पोजल या निर्माण मलबा न डालें। स्वच्छता बनाए रखना केवल नगर निगम की नहीं, बल्कि शहर में निवासरत प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। जनसहभागिता और जागरूकता से ही शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं जलभराव मुक्त बनाया जा सकता है।निगम प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि कोई व्यक्ति नाला-नालियों में कचरा फेंकते हुए दिखाई दे तो उसे समझाइश दें तथा स्वच्छता अभियान में सहभागी बनें। नगर निगम आने वाले दिनों में भी ऐसे स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाकर जल निकासी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

नाला-नालियों में कचरा फेंकना पड़ सकता है महंगा

निगम प्रशासन ने नागरिकों एवं व्यवसायियों से अपील की है कि वे सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का पालन करें। नाला-नालियों में प्लास्टिक, डिस्पोजल, निर्माण मलबा अथवा अन्य ठोस कचरा फेंकना न केवल जलभराव का कारण बनता है, बल्कि यह नियमों का उल्लंघन भी है। ऐसे मामलों में निगम प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है। स्वच्छ एवं जलभराव मुक्त रायगढ़ के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है।

सिविक सेंस में पिछड़ा रायगढ़ नगर निगम

निगम प्रशासन का कहना है कि रायगढ़ तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन शहर में नाला-नालियों में प्लास्टिक, डिस्पोजल, बोतलें और अन्य कचरा फेंकने की प्रवृत्ति आज भी चिंता का विषय बनी हुई है। यही लापरवाही बरसात के दौरान जलभराव, गंदगी और यातायात बाधित होने जैसी समस्याओं को जन्म देती है। किसी भी शहर की पहचान केवल सड़कों, भवनों और विकास कार्यों से नहीं होती, बल्कि वहां रहने वाले नागरिकों के सिविक सेंस से होती है। जब तक प्रत्येक नागरिक और व्यवसायी सार्वजनिक संपत्ति को अपनी संपत्ति मानकर उसकी सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे, तब तक रायगढ़ को एक स्वच्छ, व्यवस्थित और विकसित शहर बनाने का लक्ष्य अधूरा रहेगा। स्वच्छता सर्वेक्षण में भी लोगों को काल कर सइस संबंध में फीडबैक ली जाती है, जिस पर रायगढ़ का अंक बहुत कम रहता है।

करोड़ों के सौंदर्यीकरण पर गंदगी का ग्रहण, रेलवे का नवनिर्मित ऑटो स्टैंड बना कचरा और शराबखोरी का अड्डा

रेलवे की लापरवाही से यात्रियों की सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

एक ओर भारतीय रेलवे द्वारा करोड़ों रुपये खर्च कर रायगढ़ रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं और आकर्षक सौंदर्यीकरण से सुसज्जित किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर स्टेशन परिसर में हाल ही में विकसित किया गया नवनिर्मित ऑटो स्टैंड अपनी बदहाली के कारण पूरे प्रयासों पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है।गौरतलब हो कि नवनिर्मित ऑटो स्टैंड के भीतर और आसपास फैली गंदगी, डिस्पोजल गिलास, प्लास्टिक कचरा, शराब की खाली बोतलें और अन्य अपशिष्ट रेलवे प्रशासन के सफाई व्यवस्था की पोल खोल रहे हैं।इसे प्रबंधन की लापरवाही कहे या वहां मौजूद लोगों की मनमानी जिसकी वजह से ऑटो स्टैंड के अंदर बड़ी मात्रा में कचरा जमा है। बारिश के कारण वहां जलभराव की स्थिति भी बनी हुई है, जिससे गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। कई स्थानों पर शराब की खाली बोतलें और डिस्पोजल गिलास पड़े हुए हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि रात के समय यह स्थान शराबखोरी का अड्डा बनता जा रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऑटो स्टैंड में कई बार किराए और सवारी को लेकर ऑटो चालकों एवं यात्रियों के बीच विवाद की स्थिति भी निर्मित होती है। यदि ऐसे माहौल में असामाजिक तत्वों की मौजूदगी बनी रही तो कानून-व्यवस्था की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।रायगढ़ रेलवे स्टेशन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों में शामिल है, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री विभिन्न ट्रेनों से आवागमन करते हैं। स्टेशन के बाहर स्थित ऑटो स्टैंड यात्रियों के लिए पहली सुविधा माना जाता है, लेकिन यहां की अव्यवस्था यात्रियों पर गलत प्रभाव छोड़ रही है। बाहर से आने वाले यात्रियों को स्टेशन से निकलते ही गंदगी और अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी उठ रहे सवाल

लोगो की माने तो ऑटो स्टैंड के आसपास अक्सर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी लगा रहता है। शराबखोरी की शिकायतें भी समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसी स्थिति में यात्रियों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं किया गया तो भविष्य में किसी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

नियमित सफाई और निगरानी का अभाव

ऑटो स्टैंड की नियमित सफाई नहीं हो रही है। यदि समय पर कचरा उठाया जाए और परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित की जाए तो इस तरह की स्थिति से आसानी से बचा जा सकता है। वहीं रेलवे सुरक्षा बल एवं संबंधित विभाग द्वारा नियमित निगरानी और गश्त बढ़ाने की भी आवश्यकता महसूस की जा रही है।

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जनदर्शन में सुनी आमजन की समस्याएं

अधिकारियों को आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू द्वारा प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले जनदर्शन कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनी गईं। जनदर्शन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।जनदर्शन के आवेदन में ग्राम पंचायतों से संबंधित शिकायत एवं मांग, विद्युत, स्कूल शिक्षा राशन दुकान, पेंशन, मतदाता पहचान पत्र (वोटर आईडी) में नाम संशोधन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने, महतारी वंदन योजना तथा सड़क निर्माण की मांग से जुड़े थे।कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू ने जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में जिला स्तरीय सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का नियमित अनुश्रवण करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें, ताकि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंच सके।

सैमसंग ने पेश किए एआई से लैस स्मार्ट ग्लासेज़

गुरुग्राम (भारत): सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने लंदन में आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट के दौरान अपने नए इंटेलिजेंट आईवेयर (स्मार्ट ग्लासेज़) पेश किए। गूगल आई/ओ में पेश किए गए कॉन्सेप्ट को आगे बढ़ाते हुए कंपनी ने इन्हें वैश्विक आईवेयर ब्रांड जेंटल मॉन्स्टर और वार्बी पार्कर के सहयोग से विकसित किया है। ये स्मार्ट ग्लासेज़ दिखाते हैं कि गैलेक्सी इकोसिस्टम अब सिर्फ स्मार्टफोन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, कामकाज, यात्रा और अन्य हैंड्स-फ्री गतिविधियों का भी हिस्सा बनेगा। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (एमएक्स) बिजनेस के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर वॉन-जून चोई ने कहा, एजेंटिक एआई मोबाइल अनुभवों को नई दिशा दे रहा है। अब अगला कदम इन अनुभवों को और सहज बनाना है, ताकि वे हर यूज़र की जरूरत और परिस्थिति के अनुरूप काम कर सकें। स्मार्ट ग्लासेज़ इंटरैक्शन का एक नया माध्यम हैं, जो एआई आधारित व्यक्तिगत सहायता को स्वाभाविक रूप से लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाते हैं।

नया इंटेलीजेंट आईवेयर एक्सपीरियंस- सैमसंग ने इन स्मार्ट ग्लासेज़ को रोज़ाना आराम से पहनने लायक डिज़ाइन किया है। इनमें हल्का फ्रेम, पतली बनावट और लंबी बैटरी लाइफदी गई है। कंपनी के अनुसार, ये एक बार चार्ज करने पर करीब नौ घंटे तक काम करते हैं, जबकि चार्जिंग केस की मदद से इन्हें सात बार अतिरिक्त फुल चार्ज किया जा सकता है। स्मार्ट ग्लासेज़ में लगा इन-बिल्ट कैमरा यूज़र के सामने मौजूद दृश्य को समझकर एआई को बेहतर संदर्भ उपलब्ध कराता है। वहीं, स्नैपड्रैगन® एआर1 जेन1 प्लेटफॉर्म रियल-टाइम एआई प्रोसेसिंग को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही टच कंट्रोल, बेहतर कनेक्टिविटी, कम बिजली खपत और प्रभावी हीट मैनेजमेंट जैसी सुविधाओं को कॉम्पैक्ट फ्रेम में ही शामिल किया गया है।

सफलता की कहानीः कृत्रिम गर्भाधान से मिली उन्नत नस्ल, अब गाय बनी हितग्राही के लिए मददगार

4 उन्नत नस्ल गाय, प्रतिदिन 25 लीटर दूध, प्रतिमाह ?25 हजार का आमदनी

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

बरमकेला ब्लॉक के ग्राम कंचनपुर की निवासी प्रेम कुमारी सारथी ने आधुनिक पशुपालन को अपनाकर डेयरी व्यवसाय में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनके पास वर्तमान में 5 एचएफ एवं जर्सी नस्ल की दुग्धारू गायें हैं, जिनमें से सभी गाय पशुपालन विभाग द्वारा किए गए कृत्रिम गर्भाधान (आर्टिफिशल इनसेमिनेशन) से उत्पन्न बछिया थी, जो आज एक उच्च उत्पादक दुग्धारू गाय बन चुकी है। कृत्रिम गर्भाधान उन्नत नस्लों के विकास और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है।वर्तमान में उनकी डेयरी से प्रतिदिन लगभग 25 लीटर दूध का उत्पादन होता है, जिसे वे अमृत डेयरी, बरमकेला को ?40 प्रति लीटर की दर से विक्रय करती हैं। इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग ?25,000 की नियमित आय प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।इस सफलता में पशुधन विकास विभाग एवंपशु चिकित्सालय, बरमकेला का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विभाग द्वारा समय-समय पर कृत्रिम गर्भाधान, नियमित टीकाकरण, कृमिनाशन, पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार तथा वैज्ञानिक पशुपालन संबंधी तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया। इन सेवाओं से पशुओं का स्वास्थ्य एवं उत्पादकता दोनों में वृद्धि हुई।हितग्राही प्रेम कुमारी सारथी का कहना है कि विभाग के सतत मार्गदर्शन एवं वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाने से उनका डेयरी व्यवसाय निरंतर प्रगति कर रहा है। आज वे अपने क्षेत्र के अन्य पशुपालकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं तथा आधुनिक पशुपालन अपनाने के लिए लोगों को भी प्रेरित कर रही हैं। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि पशुपालन विभाग द्वारा प्रदान की जा रही कृत्रिम गर्भाधान एवं पशु स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेकर ग्रामीण पशुपालक उन्नत नस्ल के पशु तैयार कर अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं

राज्यपाल गोद ग्राम टेमरी में 30 जुलाई को नि :शुल्क कैंसर जांच शिविर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगई के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में विकासखंड नवागढ़ के राज्यपाल गोद ग्राम टेमरी में 30 जुलाई (गुरुवार) को निःशुल्क कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर सुबह 11 बजे से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र टेमरी में आयोजित होगा। शिविर का संचालन बीएमओ डॉ. एम.एम. रजा एवं बीपीएम सी.के. देवांगन के नेतृत्व में किया जाएगा।

शिविर में बालको मेडिकल हॉस्पिटल, रायपुर के कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जिला एवं ब्लॉक स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से मुख कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर तथा गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की निःशुल्क जांच की जाएगी। इसके साथ ही कैंसर के लक्षण, बचाव, संतुलित खान-पान एवं स्वस्थ जीवनशैली से संबंधित आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श भी दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने क्षेत्र के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर निःशुल्क जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श का लाभ उठाने तथा कैंसर के प्रति जागरूक बनने की अपील की है।

15 बिस्तरों वाले नशामुक्ति केन्द्र के संचालन हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा।- समाज कल्याण विभाग, जिला बेमेतरा द्वारा जिले में 15 बिस्तरों वाले एकीकृत पुनर्वास केन्द्र (नशामुक्ति केन्द्र) के संचालन के लिए पात्र एवं इच्छुक स्वैच्छिक संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए समाज कल्याण विभाग से मान्यता प्राप्त ऐसी संस्थाएं, जिनकी नियमावली में कार्यक्षेत्र दुर्ग संभाग अथवा संपूर्ण छत्तीसगढ़ उल्लेखित हो, वे निर्धारित प्रारूप में अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकती हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रस्ताव 16 जुलाई 2026 से 21वें दिन अर्थात 5 अगस्त 2026 को दोपहर 3 बजे तक कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला बेमेतरा में जमा किए जा सकेंगे।इच्छुक संस्थाएं आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी एवं निर्धारित प्रारूप जिला बेमेतरा की आधिकारिक वेबसाइट ड्डद्गद्बद्गह्लड्डह्लड्ड.द्दश1.द्बठ्ठ से प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा कार्यालय उप संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुराना डाइट हॉस्टल, जिला पंचायत के पीछे, बेमेतरा में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर भी आवेदन पत्र एवं शर्तें प्राप्त की जा सकती हैं। समाज कल्याण विभाग ने पात्र संस्थाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन प्रस्तुत करने की अपील की है।

सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुई प्रक्रिया : राशनकार्ड से सदस्य का नाम विलोपित, हितग्राही ने जताया आभार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन की डिजिटल सेवा पहल सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में विकासखण्ड बेरला अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंघौरी की निवासी श्रीमती शांति बाई, पति श्री संतराम ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से अपनी विवाहित पुत्री मैत्रीन का नाम राशनकार्ड से सदस्य के रूप में विलोपित कराने हेतु ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन प्राप्त होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समयबद्ध रूप से कार्रवाई की गई तथा राशनकार्ड से सदस्य के रूप में मैत्रीन का नाम सफलतापूर्वक विलोपित कर नवीन राशनकार्ड का पीडीएफभी उपलब्ध कराया गया। इस पूरी प्रक्रिया के लिए हितग्राही को किसी भी कार्यालय के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़े और उन्हें घर बैठे ही सेवा का लाभ प्राप्त हुआ।श्रीमती शांति बाई ने बताया कि पुत्री के विवाह के बाद उसका नाम मायके के राशनकार्ड से हटना आवश्यक था, ताकि वह अपने ससुराल में नया राशनकार्ड बनवाने के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड, बैंक खाता, महतारी वंदन योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से प्राप्त कर सके। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से यह कार्य बेहद सरल और सुविधाजनक तरीके से पूरा हुआ।उन्होंने कहा, ÷मोर बेटी के नाम राशन कार्ड में सदस्य के रूप में दर्ज रहिस। ओकर शादी होके अपन ससुराल चले गे हे। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से राशनकार्ड ले ओकर नाम आसानी से कट गे। अब ओ अपन ससुराल मं नया राशनकार्ड, श्रमकार्ड अऊ दूसर सरकारी योजना मन के लाभ ले सकही। एकर बर मैं छत्तीसगढ़ शासन अऊ जिला प्रशासन, जनपद पंचायत बेरला के धन्यवाद देवत हवंव।÷सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न शासकीय सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो रही है। यह पोर्टल शासन की सेवाओं को आम नागरिकों तक सरल, पारदर्शी एवं डिजिटल माध्यम से पहुंचाने की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रहा है।

ज्ञान, नवाचार और प्रतिभा का संगम बना समारोह, प्रेरक वक्ताओं ने दिए सफलता के सूत्र

बेमेतरा में प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन, 250 मेधावी विद्यार्थी एवं 50 उत्कृष्ट शिक्षक सम्मानित

बेमेतरा में शिक्षा क्षेत्र का प्रेरणादायी आयोजन, प्रतिभा और उत्कृष्टता को मिला सम्मान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, जिला बेमेतरा एवं समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा के संयुक्त तत्वावधान में एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा में लगातार पाँचवें वर्ष प्रतिभा सम्मान समारोहङ्क2026 का भव्य एवं गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत समाधान महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी, डॉ. अवधेश पटेल एवं विद्यालयों के डायरेक्टर्स-प्राचार्यों द्वारा किया गया। प्राचार्य श्री गिरीश कुमार ने समग्र शिक्षा एवं उत्कृष्ट विद्यालय निर्माण पर अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र के वक्ताओं में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष राजीव गुप्ता ने शिक्षकों के सतत विकास एवं विद्यार्थियों को अनुशासन, समर्पण और लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। जिला शिक्षा अधिकारी, दुर्ग अरविंद मिश्रा ने शिक्षक को संस्कार, चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम और स्पष्ट लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। मुनि इंटरनेशनल स्कूल, दिल्ली के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार ठाकुर ने अनुशासन, आत्मसंयम तथा पियर लर्निंग, बडी सिस्टम एवं ग्रुप रिसिप्रोकल लर्निंग जैसी नवाचारी शिक्षण पद्धतियों पर बल दिया। फाजिल लर्निंग एंड इनोवेशन संस्थान के संस्थापक सैय्यद फाजिल ने शिक्षक के सकारात्मक व्यक्तित्व, एकाग्रता एवं आत्मविश्वास को प्रभावी शिक्षण की कुंजी बताया। बेमेतरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच, निरंतर सीखने और प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह में सीबीएसई एवं सीजी बोर्ड के कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के जिला टॉप-10 विद्यार्थियों, निजी विद्यालयों के 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त विद्यार्थियों तथा समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई के मेधावी विद्यार्थियों सहित लगभग 250 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीबीएसई कक्षा 10वीं के प्रिंस कुर्रे (98.2त्न), दिशा अग्रवाल (98त्न), पीहू गोयल (97.8त्न), विकाश कुमार दर्पण (96.6त्न) एवं सुमित साई नायक (96.2त्न), तथा कक्षा 12वीं के ऋतुराज शर्मा (94.60त्न), यश कुमार पटेल (94.60त्न), पलक गर्ग (94त्न), शौर्या सुयंत साहू (94त्न) एवं रिंकल लेडवानी (93.80त्न) को सम्मानित किया गया।

सीजी बोर्ड कक्षा 10वीं के सोहम कुमार पटेल (97.33त्न), तेसिका यादव (97.17त्न), ईशान अग्रवाल (97त्न), श्रेया साहू (96.33त्न) एवं आर्या चौधरी (96.33त्न), तथा कक्षा 12वीं के रोहानी साहू (94.60त्न), ऋग्वेदीता टंडन (94.20त्न), गुंजा साहू (93.60त्न), भारती साहू (91.60त्न) एवं निधि यादव (91.20त्न) को सम्मानित किया गया। समाधान महाविद्यालय के बी.एस.सी. से नितेश, बीसीए से भुवनेश्वरी, बी.कॉम. से भूमि भूतड़ा, पीजीडीसीए से अभिषेक कुमार गायकवाड़, डीसीए से गगन सिन्हा, बी.एड. से मिथलेश्वरी एवं ज्योति यादव, पीजीडीवाईईपी से उर्मिला बंजारे तथा आईटीआई (कोपा) से आशीष, स्टेनो से रमेश एवं इलेक्ट्रीशियन से माखन को सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के 50 उत्कृष्ट शिक्षकों में शिल्पा राठी (एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा), मनीराम टण्डन (अखण्ड ज्योति विद्या मंदिर, रनबोड़), पेनुमार्थी नागमणि (एलंस पब्लिक स्कूल, बेमेतरा), दीप्ति साहू (ज्ञानोदय पब्लिक स्कूल, बेमेतरा), अनीता वैष्णव (जय हिंद पब्लिक स्कूल, अंधियारखोर), डॉ. जी. डी. मानिकपुरी (समाधान महाविद्यालय, बेमेतरा) एवं धनराज सिंह चौहान (लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल, प्रतापपुर, नवागढ़) सहित अन्य शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक हरीश कुमार पटेल एवं श्रीयता तिवारी ने किया। एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल, बेमेतरा के सीईओ श्री विनीत राजोरिया ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के डायरेक्टर्स, प्राचार्य, शिक्षक, पालकगण एवं छात्र-छात्राओं सहित 550 लोग उपस्थित रहें।

संपादकीय

असली सुधार चाहिए, छात्रों का भरोसा जीतने निकली सरकार

आखिरकर शिक्षा मंत्री प्रधान ने इस्तीफा दे ही दिया। पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन के बीच, पीएम मोदी ने आश्वासन दिया कि सरकार सख्त कदम उठाएगी। इसके बाद, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी, जिससे मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज सुनी गई है। पीएम नरेद्र मोदी ने गुरुवार रात अपने संदेश में यह आश्वासन दिया कि उनकी सरकार पेपर लीक के खिलाफ सख्त कदम उठाएगी। इसके कुछ घंटों बाद ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एंटी-पेपर लीक बिल में संशोधन को मंजूरी दे दी। इसी से मुद्दे की गंभीरता जाहिर होती है। सरकार तेजी से निर्णय लेकर स्टूडेंट्स को यकीन दिलाने का प्रयास कर रही है कि उनकी आवाज अनसुनी नहीं रह गई है। एनटीए में सुधार। हाल के बरसों में पेपर लीक जितनी बड़ी समस्या बन चुका है, उसे देखते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई जरूरी है। हालांकि यह भी ध्यान में रहना चाहिए कि देश में कई बार कानून की कमी से ज्यादा उसका पालन चुनौतीपूर्ण होता है। एनटीए की कमियां और सीमित क्षमता कई बार सामने आ चुकी है। इसमें सुधार के लिए तुरंत कदम उठाने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि संस्थागत मजबूती जरूरी है। एड-हॉक की व्यवस्था ने बरसों से परेशान किया है। अब स्थायी और मजबूत सिस्टम चाहिए। अदालत की निगरानी। यह महत्वपूर्ण है कि केंद्र द्वारा नीट में किए जा रहे सुधारों की सुप्रीम कोर्ट लगातार निगरानी करेगा। असल में बार-बार की गड़बड़ियों की वजह से सिस्टम से स्टूडेंट्स का भरोसा कमजोर हुआ है। वे अब मूलभूत बदलाव चाहते हैं और शीर्ष अदालत की निगरानी से इसमें मदद मिलेगी। शुक्रवार का एक बेहद अहम घटनाक्रम रहा सरकार और कॉकरोच जनता पार्टी के बीच दूसरे दौर की बातचीत। भले कोई समाधान नहीं निकला, पर इसे सकारात्मक मानना चाहिए। जन-आंदोलन का नतीजा आखिरकार संवाद से ही निकलता है। दोनों पक्ष तीसरे दौर की वार्ता के लिए सहमत हुए है, जो आज दोपहर में होनी है। हालांकि, सबसे बड़ा मतभेद है शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग। सीजेपी और विपक्ष इस पर अड़ा है, जबकि सरकार अभी परीक्षा सुधारों पर जोर दे रही है। सीजेपी के आंदोलन को स्टूडेंट्स ने अपना बना लिया है, क्योंकि सुरक्षित व पारदर्शी परीक्षा उनके भविष्य से जुड़ी है। आज हालात यहां तक इसलिए पहुंचे, क्योंकि जिम्मेदार लोग बार-बार नाकाम रहे। सीजेपी ने परीक्षा प्रणाली में रिफॉर्म्स के लिए सरकार को पांच सुझाव दिए है। केंद्र को इन पर खुले दिल से विचार करना चाहिए। आज समाज, न्यायपालिका और सरकार जिन सवालों से जूझ रहे है, उनका जवाब मिलकर ही निकाला जा सकता है।

छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन का कुछ राजनेताओं ने कर दिया राजनीतिकरण !

(ललित गर्ग)

लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। नीट-यूजी की 3 मई 2026 को आयोजित मूल परीक्षा के पेपर लीक होने की खबरों के बाद 12 मई 2026 को सरकार ने नीट की परीक्षा को रद्द कर दिया था। तब से ही छात्रों में आक्रोश व्याप्त है और वह देश के विभिन्न हिस्सों में शांति पूर्ण तरीके से धरना प्रदर्शन करके अपना जबरदस्त विरोध प्रकट कर रहे थे। लेकिन अचानक ही 16 मई 2026 को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) नामक एक पार्टी बन जाती है और वह पार्टी छात्रों के आंदोलन में कूद पड़ती है, उस पार्टी के द्वारा दिल्ली में जून के प्रथम सप्ताह से धरना प्रदर्शन शुरू किया जाता है, इस धरना प्रदर्शन में सबकुछ ठीक ठाक ही चल रहा था, लेकिन जब से कुछ राजनेताओं की एंट्री हुई है तब से ही छात्रों की मूल मांगो से खिलवाड़ होना शुरू हो गया है। हालांकि केंद्र सरकार ने नीट परीक्षा के पेपर लीक के इस मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को इस मामले की जांच सौंपी दी थी। वही सरकार के द्वारा नए सिरे से नीट की पुनर्परीक्षा 21 जून 2026 को आयोजित की जा चुकी है, 16 जुलाई 2026 की रात को पुनर्परीक्षा के नतीजे भी एनटीए के द्वारा घोषित कर दिए गए हैं। लेकिन आजकल जबरदस्त प्रतियोगिता के इस दौर में सरकारी नौकरी व महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर बार-बार रद्द होने के कारण देशभर के छात्रों में भारी मानसिक तनाव के चलते विरोध की स्थिति जबरदस्त ढंग से देखने को मिल रही है। छात्रों के द्वारा लगातार देश व प्रदेशों के नीति-निर्माताओं से परीक्षाओं की निष्पक्षता और छात्रों के बीच विश्वसनीयता को बरकरार रखने के लिए धरातल पर ठोस आवश्यक कदम उठाने की मांग भी लगातार की जा रही है। वहीं केंद्र सरकार निरंतर छात्रों को आश्वस्त कर रही थी कि वह भविष्य में आयोजित परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के लिए ठोस कदम उठा रही है, फिर भी आंदोलन जारी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि छात्र आंदोलन में जब सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की एंट्री होती है, वह भूख हड़ताल पर बैठ जाते हैं और जब भूख हड़ताल एक-एक दिन करके लंबी चलने लगती है, तो छात्रों का शांतिपूर्ण ढंग से चल रहा यह आंदोलन देश के कुछ राजनेताओं के लिए अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए एक शानदार पर्यटन स्थल बन जाता है, जिसके चलते धरनास्थल पर बहुत तेज़ी से छोटे व बड़े राजनेताओं का तांता लगने लग जाता है। अब पिछले कुछ दिनों से जिस तरह की स्थिति कुछ लोगों व राजनेताओं के द्वारा देश राजधानी दिल्ली में बनायी जा रही है, उससे अब यह स्पष्ट होता जा रहा कि लंबे अरसे से आंदोलनरत छात्रों की मूल मांगें राजनीतिकरण के चलते अब पीछे छूट गई हैं। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को आज कुछ लोगों के गैंग ने छात्र हित के जगह पर्दे के पीछे छिपी सत्ता हथियाने की सीढ़ी से केंद्र व प्रदेशों में सत्ता परिवर्तन करने का हथियार बना लिया है। छात्रों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुछ लोगों व राजनेताओं ने पूर्व की भांति ही सत्ता परिवर्तन करने की महत्वाकांक्षा का हथियार बनाते हुए आंदोलन को राजनेताओं की स्वार्थ पूर्ति अखाड़ा बनाकर रख दिया है। हर बार की ही तरह इस बार भी छात्रों के बेहद शांतिपूर्ण ढंग से चल रहे आंदोलन को कुछ चतुर, चालाक व बेहद ही स्वार्थी राजनेता ने घुसकर के छात्रों व देश युवाओं के केंद्र सरकार के खिलाफ आक्रोश को अपने क्षणिक हितों को साधने की

ताकतवर ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल करते हुए अपने व्यक्तिगत एजेंडे व हितों की पूर्ति करने व पार्टी के हितों को साधने वाली राजनीतिक जमीन को मजबूत करने वाला आंदोलन बनाकर रख दिया है। छात्रों के नाम पर शुरू हुए आंदोलन में अब छात्रों के हित की बातें बहुत पीछे छूटते जा रही हैं, राजनेताओं के छिपे हुए एजेंडे छात्र व नौजवानों के हितों पर हावी होते जा रहे हैं, कुछ लोगों के द्वारा आंदोलन को हिंसक बनाते हुए राजनीतिकरण किया जा रहा है।

नीट परीक्षा लीक कांड के बाद से ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकते हुए देश में छात्रों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए रणनीति बनाने की मांग व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे लेकर के शुरू हुई छात्रों की मांग पर अब पूरी तरह से राजनीति का शिकार होती जा रही है। छात्रों के शांति प्रिय आंदोलन में कुछ राजनेताओं की कृपा से अब तो आलम यह हो गया है कि कुछ राजनेता को छात्रों के विरोध का यह अवसर पर देश व प्रदेशों की सत्ता को परिवर्तित कर सत्ता पर काबिज होने का एक बड़ा अवसर तक लग रहा है। छात्रों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर देश के पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं के द्वारा जमकर के राजनीति की जा रही है, सड़क से लेकर संसद तक हर तरफ़ संग्राम छिड़ा हुआ है, सड़क पर कुछ लोगों के द्वारा जबरदस्त टकराव की स्थिति उपस्थिति उत्पन्न करते हुए, लोगों के जान-माल व देश की बहुमूल्य संपत्तियों व सुरक्षा कर्मियों तक को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं 20 जुलाई 2026 से ही जब से संसद में मानसून सत्र शुरु हुआ है तब से ही छात्रों व अन्य मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा व समस्या के स्थाई निदान पर चर्चा करने की जगह जमकर के हंगामा बरपाया जा रहा है। हालांकि देश की सुरक्षा एजेंसियां छात्र आंदोलन की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों होने की लगातार संभावना व्यक्त कर रही हैं, लेकिन फिर भी किसी भी पक्ष को राष्ट्र व छात्रों के हितों की कोई चिंता वास्तव में नज़र नहीं आती है, केवल और केवल किसी भी तरह से सत्ता हथियाने व केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा करवाने की चिंता ज्यादा है। हालांकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को दुविधा में डालने से पहले और हंगामा खड़ा होने से पहले ही स्वयं ही नैतिकता के आधार पर बिना किसी भी जोर दवाब के केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा स्वेच्छा से पहले ही दे देना चाहिए था और सरकार का विवेक था कि वह धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को स्वीकार करती या अस्वीकार करती। लेकिन छात्रों, अभिभावकों व हमें भी निष्पक्ष रूप से यह विचार अवश्य करना चाहिए कि क्या केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पूर्ण हो जाने से भविष्य में देश में पेपर लीक की यह घटनाएं रुक जायेंगी, क्या इस्तीफे से छात्रों व युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो जायेगा। वैसे भी आज की परिस्थितियों में आंदोलनरत छात्रों को भी यह आत्ममंथन अवश्य करना चाहिए कि आज उनका शांतिपूर्ण आंदोलन कहां आकर के खड़ा हो गया है, क्या आंदोलन पर कब्जा जमाकर के बैठे नेताओं के द्वारा छात्र हित की बातें आज किसी समाधान करने वाले वास्तविक पटल पर उठायी जा रही हैं या इन नेताओं के द्वारा चतुराई से छात्रों की आड़ में अपने-अपने छिपे हुए एजेंडे को पूरा करा जा रहा है। सभी आंदोलनरत छात्रों को ध्यान रखना चाहिए कि हमारे प्यारे देश में ओछी राजनीति कब क्या करा दें, उसका कोई भरोसा नहीं है, इसलिए वह पूरी तरह से सज़ग रहें और शांतिपूर्ण आंदोलन को छात्र व नौजवानों के हितों तक ही सीमित करते हुए किसी भी कीमत पर हिंसक ना होने दें, तब ही देर सबेर छात्रों के हितों की बात को लेकर के कुछ ठोस निर्णय अवश्य होगा।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ग्लेशियरों के पिघलने से बन सकती हैं 56,000 नई झीलें, इन देशों में तबाही का खतरा, वैज्ञानिकों ने चेताया

(रिजवान)

दुनिया में 200,000 से 275,000 ग्लेशियर हैं, जिनमें कुल पानी का 69 फीसदी जमा है। ये ऑस्ट्रेलिया के अलावा हर महाद्वीप पर हैं। ये आर्कटिक, अलास्का, अंटार्कटिका के साथ-साथ हिमालय और एंडीज जैसी पर्वत श्रृंखलाओं में बड़ी संख्या में मौजूद हैं। ये ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण पिघलकर एशिया समेत दुनिया के बड़े हिस्से के लिए खतरे का सबब बन सकते हैं। वैज्ञानिकों ने इसको लेकर चेतावनी दी है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित एक अध्ययन में स्वीडन, अमेरिका, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे के शोधकर्ताओं ने ग्रह पर मौजूद सभी ग्लेशियरों के नीचे की जमीन का नक्शा बनाया और चौंकाने वाले नतीजे पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब इस बर्फ का कुछ हिस्सा गायब हो जाएगा तो पृथ्वी पर 56,659 नई झीलें बनेंगी, जो अभी पूरी तरह से जमी हुई हैं।

इस टीम ने किया विश्लेषण – स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है। उन्होंने जीपीयू और डीप लर्निंग से चलने वाले इंस्ट्रक्टेड ग्लेशियर मॉडल नाम के थ्री-डायमेंशनल आइस फ्लो मॉडल का इस्तेमाल करके ग्लेशियरों के नीचे की जमीन की बनावट का पता लगाया। इस विश्लेषण का मकसद यह समझना था कि अगर ग्लेशियर पूरी तरह से गायब हो जाएंगे तो पृथ्वी की सतह कैसी दिखेगी। यह प्रक्रिया जटिल थी क्योंकि ग्लेशियरों का आधार सीधे दिखाई नहीं देता है और इसके नीचे गहरी घाटियां, गड्ढे, प्राकृतिक बेसिन और ऐसे क्षेत्र छिपे हो सकते हैं, जहां पिघला हुआ पानी जमा हो सकता है।

क्या कहता है अध्ययन – इस स्टडी का मुख्य नतीजा यह था कि भविष्य में 56,659 ऐसी झीलें बन सकती हैं, जिनका कम से कम एरिया 0.05 वर्ग किलोमीटर होगा। ये भविष्य की झीलें 40,647 वर्ग किलोमीटर जगह घेर सकती हैं और इनमें 3,138 घन किलोमीटर तक पानी जमा हो सकता है। यह मात्रा समुद्र के जलस्तर में 7 मिलीमीटर की बढ़ोतरी के बराबर है, जो सीधे महासागरों में बहने के बजाय इन प्राकृतिक जलाशयों में कुछ समय के लिए जमा रहेगा। इसका मतलब है कि बर्फ से मुक्त होने वाली नई जमीन का 6 प्रतिशत हिस्सा झीलों से ढका हो सकता है। स्टडी में इस संख्या की तुलना उन इलाकों में झीलों के कवरेज के ग्लोबल औसत से की गई है, जहां ग्लेशियर नहीं हैं। यह औसत लगभग 2 प्रतिशत है। एशिया के पहाड़ी इलाके चिंता का सबब हैं। स्टडी में ऊंचे पहाड़ी एशियाई इलाके को संवेदनशील माना गया है। इसमें हिमालय, काराकोरम, हिंदू कुश, पामीर और तिएन शान पर्वत श्रृंखलाएं हैं।

एशिया में खतरा क्यों ज्यादा – रिसर्चर्स ने एशियाई इलाके में ग्लेशियर के किनारों के पास बड़े गड्ढे देखे। यह

स्वीडन की उप्साला यूनिवर्सिटी, अमेरिका की कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी, स्विट्जरलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ लॉजेन और नॉर्वे की यूनिवर्सिटी ऑफ ओस्लो के शोधकर्ताओं की टीम ने ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका की बड़ी बर्फ की चादरों के बाहर मौजूद ग्लेशियरों का विश्लेषण किया है।

इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्लेशियर के सबसे निचले हिस्से के पास बनने वाली झीलें ज्यादा पानी जमा कर सकती हैं। ये आबादी वाली घाटियों, सड़कों, पनबिजली संयंत्रों, खेती वाले इलाकों और गांवों के करीब हो सकती हैं। हाई माउंटेन एशिया में ग्लेशियर के किनारों के बड़े गड्ढे इसका संकेत हैं कि ग्लेशियर की झील फटने से अचानक बाढ़ आने का खतरा है। इस घटना को अंग्रेजी में ल्ह्स्न्न कहा जाता है। ये तब होती हैं, जब ग्लेशियर की झील खाली हो जाती है और घाटी में बड़ी मात्रा में पानी, बर्फ और तलछट बहने लगती है।

1.5 करोड़ लोगों पर खतरा – रिसर्च में बताया गया है कि दुनिया में खतरे की चपेट में आने वाली आधी से ज्यादा आबादी सिर्फ चार देशों में है। ये देश- भारत, पाकिस्तान, पेरू और चीन हैं। करीब 1.5 करोड़ लोग ग्लेशियर झीलों से अचानक आने वाली बाढ़ के संभावित असर के दायरे में हैं।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टार मोर्ने मोर्केल, कलर्स के शो खतरों के खिलाड़ी के साथ इंडियन टेलीविज़न पर डेब्यू किया

डर अब कदम रख रहा है अनजानी ज़मीन पर, और इस बार वह आ रहा है अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे खतरनाक तेज़ गेंदबाज़ों में से एक की रफ्तार और मौजूदगी के साथ। कलर्स का खतरों के खिलाड़ी एक नए सीज़न के साथ लौट रहा है, जहां डर का नया दौर और भी बड़े स्टंट्स, कठिन चुनौतियों और लगातार एक्शन का वादा करता है। शो की कमान एक्शन किंग रोहित शेट्टी के हाथों में है। दक्षिण अफ्रीका के खूबसूरत केप टाउन के नज़ारों के बीच, देश का सबसे बड़ा एडवेंचर रियलिटी शो सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स को उनकी सीमाओं तक धकेलने के लिए तैयार है। लेकिन इस सीज़न में है एक गेम-चेंजिंग ट्विस्ट पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आइकॉन मोर्ने मोर्केल शो का हिस्सा बन रहे हैं, जो शो में एक बिल्कुल नया आयाम जोड़ने वाले हैं। कंटेस्टेंट्स को दिया गया है टास्क दिग्गज तेज़ गेंदबाज़ की फेंकी हुई गेंद को कैच करना। सुनने में आसान लगने वाला यह स्टंट असल में साहस, फोकस और रिफ्लेक्स का असली इम्तिहान बन जाता है, जब उन्हें क्रिकेट के सबसे बेहतरीन तेज़ गेंदबाज़ों में से एक की रफ्तार और ताक़त का सामना करना पड़ता है।

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं केजऊवा यादव पिता नेमू यादव, आयु 42 वर्ष, उपजाति राऊत निवासी ग्राम गिधवा, पोस्ट व तहसील दाढ़ी व जिला बेमेतरा (छ.ग.) छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र का नाम योगेश यादव (YOGESH YADAV) (पुराना नाम) से बदल कर होमेन्द्र यादव (HOMENDRA YADAV) (नया नाम) रख लिया है ।

केजऊवा
होमेन्द्र यादव
(HOMENDRA YADAV)
(ना. बा.) की ओर से
अभिभावक / पिता
नाम- केजऊवा यादव

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं सरजू निषाद पिता सदलू निषाद (माता / पिता / पालक का नाम) आयु 58 वर्ष, जाति केंवट, निवासी ग्राम बहेरघट, पोस्ट बीजाभाट, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम अमरीका निषाद (AMRIKA NISHAD) (पुराना नाम) से बदल कर नंदनी निषाद (NANDANI NISHAD) (नया नाम) रख लिया है ।

सरजू
नंदनी निषाद
(NANDANI NISHAD)
(ना. बा.) की ओर से
अभिभावक / पिता
नाम- सरजू निषाद

प्रारूप-एक
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना नाबालिग पुत्री के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं बृजमोहन रात्रे पिता महेतरू रात्रे आयु 36 वर्ष, (माता/पिता/पालक का नाम) जाति सतनामी, निवासी ग्राम वार्ड नं. 15 नवागढ़, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्री का नाम हिरकणी (HIRAKANI) (पुराना नाम) से बदल कर स्नेहा रात्रे (SNEHA RATRE) (नया नाम) रख लिया है ।

बृजमोहन
स्नेहा रात्रे (SNEHA RATRE)
(ना. बा.) की ओर से
अभिभावक / पिता / माता
नाम- बृजमोहन रात्रे

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)
/ / ईश्तहार //
क्र / Q / प्र./ तह. / 2025
रा.प्र.क्र ब- 121 वर्ष 25-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक सुशील कुमार बघेल पिता श्री मर्दन राम बघेल जाति मेहर निवासी ग्राम झाल तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा इस न्यायालय में अपने माताजी स्व. बिरिज बाई पति मर्दन राम बघेल के मृत्यु पंजीयन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है जिसका ग्राम झाल तहसील व जिला बेमेतरा में मृत्यु दिनांक 15/01/2013 को होना व भूलवश ग्राम / नगर पंचायत में मृत्यु का पंजीयन नहीं करा पाना बताया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेषी तारीख 07/08/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पष्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 27/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर
नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय नायब तहसीलदार बेमेतरा, तहसील व जिला बेमेतरा (छ.ग.)
/ / ईश्तहार //
क्र / Q / प्र./ तह. / 2025
रा.प्र.क्र ब- 121 वर्ष 25-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक उषा बाई पति स्व. टीकम सिंह वर्मा निवासी ग्राम झाल तहसील व जिला बेमेतरा द्वारा न्यायालय के समक्ष अपने पति स्व. टीकम सिंह वर्मा पिता फिरतू के मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने जिसकी मृत्यु दिनांक 17/04/2004 को निवास स्थल में होना एवं भूलवर्ष मृत्यु का पंजीयन नहीं कराये जाने के कारण पंजीयन करा कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी को दावा / आपत्ति हो तो वे नियत पेषी तारीख 07/08/2026 तक इस न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित हो कर अपनी दावा / आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। उक्त तिथि के पष्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनाँक 27/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर सहित ईश्तहार जारी ।

मुहर
नायब तहसीलदार
बेमेतरा

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)
/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजाराम चतुर्वेदी पिता झुमुक जाति सतनामी निवासी ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पेश किया है, कि आवेदक के दादी कौशिल्या पति भागबली की मृत्यु दिनांक 03/07/1945 को ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा कौशिल्या की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत मानिकपुर में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत मानिकपुर को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/07/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 17/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
नवागढ़

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)
/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजाराम चतुर्वेदी पिता झुमुक जाति सतनामी निवासी ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पेश किया है, कि आवेदक के दादा भागबली पिता धरमदास की मृत्यु दिनांक 04/09/1960 को ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा भागबली की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत मानिकपुर में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत मानिकपुर को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/07/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 17/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
नवागढ़

न्यायालय तहसीलदार, तहसील - नवागढ़ जिला बेमेतरा (छ.ग.)
/ / ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजाराम चतुर्वेदी पिता झुमुक जाति सतनामी निवासी ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा छ0ग0 के द्वारा आवेदन पेश किया है, कि आवेदक के परदादी रेखा पति धरमदास की मृत्यु दिनांक 02/06/1955 को ग्राम मानिकपुर तहसील नवागढ़ जिला बेमेतरा में हुआ है, अज्ञानता वश उनके परिवार के किसी भी सदस्य के द्वारा रेखा की मृत्यु पंजीयन ग्राम पंचायत मानिकपुर में दर्ज नहीं करवाया है, अब मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यक्ता हो रही है ग्राम पंचायत मानिकपुर को मृत्यु पंजीयन कर मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय किये जाने हेतु निर्देश जारी किया जावे

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/07/26 को न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 17/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
तहसीलदार
नवागढ़

माओवाद मुक्त बीजापुर का पहला स्वतंत्रता दिवस होगा ऐतिहासिक, गांव-गांव तक पहुंचेगा 'हर घर तिरंगा' अभियान : कलेक्टर

चार दशक बाद बदले माहौल में मनेगा आजादी का जश्न

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। इस बार बीजापुर का स्वतंत्रता दिवस खास होने जा रहा है। चार दशक बाद पहली बार जिला माओवाद मुक्त वातावरण में आजादी का पर्व मनाएगा। इसी को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में आयोजित टीएल बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि 'हर घर तिरंगा' अभियान को जिले के अंतिम छोर तक पहुंचाया जाए और प्रत्येक घर पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में कलेक्टर ने कहा कि यह जिले के लिए ऐतिहासिक अवसर है। इसलिए स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे उत्साह, गरिमा और जनभागीदारी के साथ होना चाहिए। उन्होंने सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के सीईओ और नगरीय निकायों के सीएमओ को अभियान की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी शासकीय कार्यालयों में ध्वजारोहण और स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सरकारी भवनों को आकर्षक रोशनी से सजाने को कहा। दूरस्थ और अंदरूनी गांवों तक भी अभियान को प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

टीएल बैठक में विकास कार्यों और विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सुशासन तिहार के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अधिक से अधिक पात्र किसानों को लाभ दिलाने के लिए विशेष शिविर लगाने और व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा।

श्रम विभाग को पिछले वर्ष संचालित योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने और इस वर्ष अधिकाधिक श्रमिकों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। तेंदूपत्ता संग्राहकों एवं श्रम कार्डधारी परिवारों के बच्चों को छात्रवृत्ति योजनाओं से शत-प्रतिशत लाभान्वित करने के लिए विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईपीएस रविन्द्र मीणा, अपर कलेक्टर भूपेन्द्र अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर जागेश्वर कौशल सहित जिला स्तरीय अधिकारी, सभी अनुभागों के एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, जनपद पंचायतों के सीईओ तथा नगरीय निकायों के सीएमओ मौजूद रहे।

उड़ान प्रोजेक्ट के तहत शासकीय सरदार वल्लभभाई पटेल उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों ने किया अडानी पॉवर लिमिटेड पॉवर प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में उड़ान प्रोजेक्ट के तहत रायगढ़ के शासकीय सरदार वल्लभभाई पटेल उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक भ्रमण अडानी पॉवर प्लांट बड़े भंडार का कराया गया। इस दौरान बच्चों को आधुनिक बिजली उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अडानी पॉवर प्लांट के प्रोजेक्ट अधिकारियों ने विद्यार्थियों को मेगावाट की बिजली उत्पादन प्रक्रिया से लेकर विभिन्न विभागों जैसे अग्निशमन,सी. एच. पी. आदि का अवलोकन कराया गया ।अधिकारियों ने बताया कि बिजली कैसे तैयार होती है, और सुरक्षा मानकों का पालन किस तरह किया जाता है। बच्चों के लिए अडानी समूह की ओर से उत्कृष्ट व्यवस्था की गई थी।बस सुविधा, नाश्ता और भोजन सहित संपूर्ण भ्रमण को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया गया।यह शैक्षणिक यात्रा स्कूल प्राचार्य डॉ. बी. आर. पटेल के निर्देशन में संपन्न हुई,जिसमें स्कूल के अन्य शिक्षक श्रीमती प्रीति पटेल,ममता पुरसेठ, डॉ.अहिल्या पण्डा एवं प्रीति प्रधान की सक्रिय भूमिका व उपस्थिति रही। इसमें स्कूल के 50 विद्यार्थी शामिल हुए। प्राचार्य डॉ.बी.आर.पटेल ने बताया कि पाठ्यक्रम सिलेबस के अनुसार औद्योगिक भ्रमण छात्र-छात्राओं को कराया गया। जहां उनको प्रैक्टिकल की जानकारी हो सके,कैसे बिजली उत्पादन होता है ।वहीं छात्र छात्राओं की माने तो केवल पुस्तकों में उन्हें जानकारी थी कि कैसे प्लांट का संचालन होता है कैसे बिजली उत्पादन होता है यहां आने के बाद पता चला कि कैसे बिजली बनती है और पूरे देश में सप्लाई होता है ।इस शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों को ऊर्जा उत्पादन की तकनीकी प्रक्रिया से अवगत कराया और उनके ज्ञान में सार्थक वृद्धि की। साथ ही प्राचार्य डॉ . बी.आर.पटेल ने पूरे अडानी समूह का इस उड़ान प्रोजेक्ट के तहत बच्चों को औद्योगिक भ्रमण कराए जाने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्कूल में लगाया गया HPV टीकाकरण शिविर, 131 किशोरियों का हुआ टीकाकरण

साजा/मूक पत्रिका

शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पदुमसरा में स्वास्थ्य विभाग कारेसरा की टीम द्वारा किशोरी बालिकाओं के लिए ॥क्क्ष (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण अभियान चलाया गया। यह अभियान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत रोहड़कलकर तथा जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राज के निर्देशन एवं बीएमओ साजा डॉ. ए.के. वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

टीकाकरण के दौरान 14 वर्ष आयु वर्ग की छात्राओं को ॥क्क्ष का टीका लगाया गया। इस अवसर पर टीम में डॉ. रवि वर्मा, सुपरवाइजर केदार निर्मल, आरएचओ राजेश जायसवाल तथा कामीक्षा दीवाकर ने अपनी सेवाएं दीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कारेसरा सेक्टर में अब तक 131 किशोरी बालिकाओं को ॥क्क्ष का टीका लगाया जा चुका है। यह टीका गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर से बचाव के लिए लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे आगे बढ़कर सहयोग करें और अपनी बेटियों को इस गंभीर बीमारी से बचाने के लिए समय पर टीकाकरण अवश्य कराएं। टीकाकरण के साथ-साथ आरएचओ राजेश जायसवाल ने विद्यालय के विद्यार्थियों को स्वच्छता, मौसमी बीमारियों से बचाव, सही तरीके से हाथ धोने के नियम तथा व्यक्तिगत स्वच्छता (पर्सनल हाइजीन) के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा भी प्रदान की।कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षकों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

पटवारी ने सत्यापित कर दी जाति, आदिवासी को बना दिया ओबीसी!

अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासी के करोड़ों की जमीन का फर्जीवाड़ा!

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

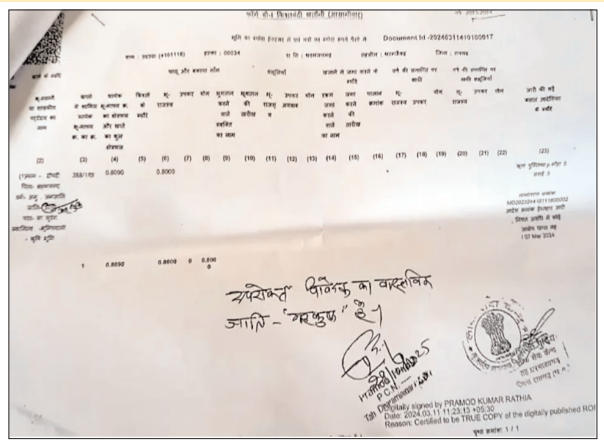

जिले के धरमजयगढ़ राजस्व अनुविभाग क्षेत्र अंतर्गत राजस्व अभिलेखों में गंभीर गड़बडियों के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। हालांकि, हाल ही में कापू क्षेत्र अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति की भूमि से जुड़े गंभीर मामले में प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई हुई है।

इस कड़ी में ताज़ा मामला ग्राम उदउदा का है, जहाँ मिशल रिकॉर्ड, अधिकार अभिलेख और वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड में गंभीर विरोधाभास होने का मामला सामने आया है।

राजस्व रिकॉर्ड में उपलब्ध दस्तावेज़ों के अनुसार, सन 1931-32 के मिशल रिकॉर्ड में खसरा नंबर 388/1, कुल 61.45 एकड़ भूमि 'घास मद' में दर्ज है। वहीं 1954-55 के अधिकार अभिलेख में खसरा नंबर 388/1छ, कुल रकबा 2.830 हेक्टेयर भूमि दमोदर पिता चैतन, जाति गोंड (अनुसूचित जनजाति) निवासी धरमजयगढ़ के नाम पर दर्ज है।

आरोप है कि बाद में राजस्व अभिलेखों में जाति संबंधी प्रविष्टियों में कथित तौर पर छेड़छाड़ करते हुए इसी खसरा नंबर 388/1/छ को दिनांक 30 अक्टूबर 2022 को फौती नामांतरण आदेश के माध्यम से भुनेश्वर प्रसाद यादव एवं अन्य निवासी जमरगी डी के नाम दर्ज कर दिए गए। इसके बाद वर्ष 2023-24 के बी-1 राजस्व रिकॉर्ड में इसी खसरा नंबर की 0.8090 हेक्टेयर भूमि द्रोपदी पति ब्रम्हानंद, अनुसूचित जनजाति (उरांव), निवासी लुडेग के नाम दर्ज हो गया है। ऐसे में यह पूरा मामला संदेह के दायरे में आ गया है।

सबसे बड़ा जांच का विषय यह है कि पांचवीं अनुसूची अंतर्गत आने वाले अनुसूचित क्षेत्र में मूल अभिलेखों में यह भूमि अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति के नाम दर्ज है, तो किस आधार पर नामांतरण किया गया? क्या नामांतरण से पहले सभी राजस्व अभिलेखों एवं वैधानिक प्रावधानों का परीक्षण किया गया? यदि रिकॉर्ड में परिवर्तन हुआ, तो उसके पीछे क्या विधिक प्रक्रिया अपनाई गई? बताया जा रहा है कि इस पूरे मामले में हल्का नंबर 34 के पटवारी प्रमोद राठिया एवं तत्कालीन तहसीलदार भोज कुमार डहरिया की भूमिका सवालों के दायरे में है। राजस्व मामलों के जानकारों का कहना है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच हो तो और भी कई सनसनीखेज खुलासे हो सकते हैं। यदि जांच में दस्तावेज़ों में अनियमितता या रिकॉर्ड से छेड़छाड़ की पुष्टि होती है, तो यह राजस्व विभाग से जुड़े गंभीर मामलों में से एक हो सके।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर देशभर में चलेगा 'समरसता संकल्प अभियान', गुरु पूर्णिमा से होगी शुरुआत- विधायक अनुज शर्मा

आरंग। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में 'समरसता संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान की शुरुआत गुरु पूर्णिमा से होगी और संत रविदास जयंती तक विभिन्न चरणों में सामाजिक समरसता, सद्भाव और समानता पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान मंडल, जिला, प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर संचालित होगा, जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि संत रविदास केवल संत परंपरा के महान संत ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानव समानता के प्रबल प्रवक्ता थे। उन्होंने अपने दोहों और वाणी के माध्यम से जाति-पांति, ऊंच-नीच और सामाजिक भेदभाव का विरोध करते हुए मानवता को सर्वोच्च स्थान दिया। उनका संदेश आज भी समाज को जोड़ने और समानता की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरणा देता है। उन्होंने संत रविदास के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक समाज जातिगत संकीर्णताओं से मुक्त नहीं होगा, तब तक वास्तविक सामाजिक उत्थान संभव नहीं है। संत रविदास ने 'बेगमपुरा' जैसे ऐसे आदर्श समाज की कल्पना की थी, जहां किसी प्रकार का दुख, भेदभाव या असमानता न हो और प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर एवं सम्मान प्राप्त हो। अभियान के तहत पहले दिन देशभर के मंदिरों में 650 दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इसके साथ ही संत रविदास की जन्मस्थली श्री गोवर्धनपुर (वाराणसी) की पवित्र मिट्टी से भरे कलश विभिन्न राज्यों, जिलों और मंडलों तक पहुंचाए जाएंगे। इन कलशों के माध्यम से लोगों को संत रविदास के जीवन, विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।प्रेस वार्ता में बताया गया कि अभियान के दौरान विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता यात्रा' सहित कई विशेष आयोजन भी प्रस्तावित हैं, जिनके माध्यम से समाज में एकता, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' संत रविदास के समरस समाज के विचारों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना और बिना किसी भेदभाव के सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना ही संत रविदास के विचारों का वास्तविक सम्मान है। इस अवसर पर केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा संत रविदास के सम्मान में किए गए कार्यों की भी जानकारी दी गई। बताया गया कि मध्य प्रदेश के सागर जिले में लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से संत रविदास के भव्य मंदिर एवं स्मारक का निर्माण कराया जा रहा है, जिसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रखी थी। इसके अलावा पंजाब के आदमपुर एयरपोर्ट का नाम श्री गुरु रविदास एयरपोर्ट रखा गया है तथा संत रविदास से जुड़े विभिन्न सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दिया जा रहा है।

बाल संरक्षण की दिशा में बेमेतरा चाइल्ड हेल्पलाइन की पहल, अंतरराज्यीय बसों में लगाए गए हेल्पलाइन 1098 के पोस्टर व स्टीकर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

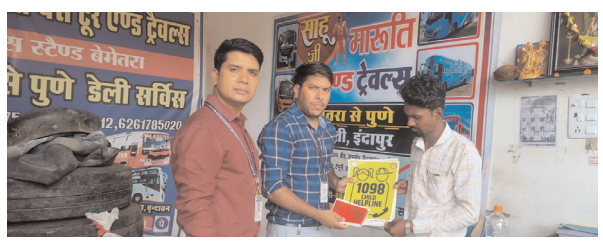

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन बेमेतरा द्वारा बाल संरक्षण को लेकर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत जिला मुख्यालय बेमेतरा से पुणे, लखनऊ सहित विभिन्न राज्यों के लिए संचालित लंबी दूरी की अंतरराज्यीय बसों, बस स्टैंड एवं प्रमुख बस ऑपरेटरों के कार्यालयों में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के पोस्टर एवं स्टीकर लगाए गए।जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री व्योम श्रीवास्तव एवं परियोजना समन्वयक श्री राजेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी के नेतृत्व में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य नाबालिग बच्चों के पलायन, बाल श्रम, मानव तस्करी तथा प्रेम-प्रसंग या बहकावे में आकर घर से भागने जैसी घटनाओं की रोकथाम करना है। अभियान के दौरान बस चालकों, परिचालकों, टिकट एजेंटों तथा यात्रियों को बाल संरक्षण संबंधी आवश्यक जानकारी देते हुए संदिग्ध परिस्थितियों में यात्रा कर रहे बच्चों की सूचना तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर देने की अपील की गई।अभियान के दौरान बताया गया कि कई बार परिवारों के साथ मजदूरी के लिए अन्य राज्यों में जाने वाले नाबालिग बच्चे बाल श्रम का शिकार हो जाते हैं। वहीं कम उम्र के बालक-बालिकाएं पारिवारिक या सामाजिक समझ की कमी अथवा प्रेम-प्रसंग के कारण घर छोड़कर यात्रा करते हैं, जिससे उनके मानव तस्करी एवं अन्य गंभीर अपराधों के शिकार होने की आशंका बढ़ जाती है। इन परिस्थितियों को देखते हुए बस ऑपरेटरों एवं आम नागरिकों को अधिक सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने आमजन, बस चालकों, परिचालकों एवं टिकट एजेंटों से अपील की है कि यदि कोई नाबालिग बच्चा अकेले अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में यात्रा करता दिखाई दे या बच्चों को बाल श्रम के उद्देश्य से समूह में बाहर ले जाने की आशंका हो, तो इसकी सूचना तत्काल टोल-फ्री हेल्पलाइन 1098 पर दें। विभाग ने कहा कि समय पर दी गई एक सूचना किसी बच्चे को शोषण, मानव तस्करी या अन्य गंभीर अपराधों का शिकार होने से बचा सकती है।

कलेक्टर का सख्त निर्देश : आधार आधारित उपस्थिति और ई-ऑफिस अनिवार्य, लापरवाही पर होगी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिले में शासकीय कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने मंगलवार को आयोजित समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी विभागाध्यक्षों एवं कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए कि अब सभी कार्यालयों में आधार आधारित बायोमेट्रिक उपस्थिति और ई-ऑफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आधार आधारित उपस्थिति होगी अनिवार्य

कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया कि अपने अधीनस्थ कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति आधार आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से ही दर्ज कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों की प्रतिदिन सुबह 10 बजे से पहले तथा शाम 5:30 बजे के बाद अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज होनी चाहिए। साथ ही प्रत्येक कार्यालय दिवस में कम से कम 7 घंटे 30 मिनट की उपस्थिति सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि मैन्युअल उपस्थिति पंजी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाए। नियमित रूप से निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने वालों के विरुद्ध वेतन कटौती सहित अन्य अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ई-ऑफिस से होगा कार्यालयीन पत्राचार

कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि कार्यालयीन पत्राचार एवं फाइलों का संचालन पूरी तरह ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से किया जाए। उन्होंने कहा कि कागज आधारित फाइलों का उपयोग न्यूनतम रखा जाए, जिससे फाइलों की ट्रैकिंग आसान हो, कार्यों में पारदर्शिता बढ़े तथा अनावश्यक विलंब समाप्त हो।उन्होंने कहा कि डिजिटल प्रणाली अपनाने से न केवल प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता आएगी, बल्कि आम नागरिकों को भी समयबद्ध और बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

लंबित प्रकरणों पर जताई नाराजगी

बैठक के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों तथा धीमी गति से चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी स्तर पर फाइलें लंबित रहती हैं अथवा आम जनता के कार्य समय पर नहीं किए जाते हैं, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल कार्य करना नहीं, बल्कि निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करना है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति पर विशेष जोर

कलेक्टर ने जिले में लंबित राजस्व प्रकरणों, प्रधानमंत्री आवास योजना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग प्राधिकरण से संबंधित मामलों, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा तथा अन्य निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने पर विशेष जोर दिया।इसके साथ ही उन्होंने जनशिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक 15 दिनों में प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजें।

प्रशासन का स्पष्ट संदेश

कलेक्टर के इन निर्देशों से जिले के शासकीय कार्यालयों में समयबद्ध उपस्थिति, ई-ऑफिस के माध्यम से फाइलों का त्वरित निष्पादन तथा लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण को गति मिलने की उम्मीद है। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल कार्यप्रणाली से पारदर्शिता बढ़ेगी, जवाबदेही सुनिश्चित होगी और आम नागरिकों को सरकारी सेवाओं का लाभ अधिक प्रभावी एवं समय पर मिल सकेगा।

सड़क की बदहाली से समय और ईंधन दोनों की बर्बादी : शामतरा-सरोना मार्ग पर हिचकोले खाने को मजबूर वाहन चालक

स्कूली बच्चे व राहगीर परेशान, प्रशासन से शीघ्र मरम्मत की मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिले के सरोना क्षेत्र अंतर्गत आने वाला शामतरा-सालेटोला-मालगांव को जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग इन दिनों पूरी तरह जर्जर हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई डामर और बरसात के कारण हुए जलभराव ने आवागमन को बेहद कठिन और जोखिमभरा बना दिया है। इस मार्ग से प्रतिदिन गुजरने वाले ग्रामीण, विद्यार्थी, किसान, कर्मचारी, व्यापारी तथा दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश होने के बाद सड़क के गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है और हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सड़क की स्थिति इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि वाहन चालकों को बेहद धीमी गति और अत्यधिक सावधानी के साथ सफर करना पड़ता है। दोपहिया वाहन

चालकों के फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है, वहीं स्कूली एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को प्रतिदिन अपनी जान जोखिम में डालकर इसी मार्ग से आवागमन करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की इस बदहाल स्थिति की जानकारी कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक मरम्मत या पुनर्निर्माण की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई है। लगातार उपेक्षा के कारण लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है, वहीं खराब सड़क के कारण लोगों का समय और ईंधन दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि यह मार्ग क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवाजाही करते हैं। अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी इसी सड़क से गुजरते हैं, इसके बावजूद स्थिति में अब तक कोई सुधार नहीं किया गया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं लोक निर्माण विभाग (क्ष्ह्रष्ठ) से मांग की है कि शामतरा-सालेटोला-मालगांव-सरोना मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा आवश्यकता अनुसार इसका पुनर्निर्माण कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और भयावह हो जाती है, इसलिए जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस मार्ग के सुधार कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र शुरू किया जाना चाहिए।

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विधायक आशाराम नेताम सख्त, छात्रावास व्यवस्था सुधारने के दिए निर्देश

मर्दापोटी स्थित इरादाह बालक आश्रम का किया निरीक्षण, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ : कांकेर क्षेत्र के विधायक आशाराम नेताम ने मर्दापोटी स्थित इरादाह बालक आश्रम का निरीक्षण कर छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के रहन-सहन, भोजन, स्वच्छता तथा स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आश्रम में अध्ययनरत बच्चों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और व्यवस्थाओं में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान विधायक आशाराम नेताम ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भविष्य में किसी भी आश्रम के निरीक्षण के समय अधीक्षक अनुपस्थित पाए जाते हैं, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बच्चों के भविष्य और देखभाल से जुड़े दायित्वों का पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन, कलेक्ट्रेट घेराव से पहले रोके गए कार्यकर्ता, बैरिकेड्स के सामने फिल्मी गानों पर थिरके

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में स्मार्ट मीटर के विरोध में जिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और एनएसयूआई ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। महात्मा गांधी चौक से कलेक्ट्रेट घेराव के लिए निकले कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरिकेड्स लगाकर पहले ही रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ता सडक़ पर बैठकर स्मार्ट मीटर के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड्स की ओर बढ़े और उन्हें पार करने का प्रयास किया, लेकिन भारी संख्या में तैनात पुलिस बल ने उन्हें आगे नहीं बढने दिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने वहीं धरना देकर अपना विरोध जारी रखा। प्रदर्शन में

शामिल पूर्व मंत्री और खरसिया विधायक उमेश पटेल ने कहा कि प्रदेश की जनता सबसे ज्यादा बिजली विभाग से परेशान है।कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों के घरों में पहले की तुलना में तीन से चार गुना अधिक बिजली बिल आ रहा है। उनका कहना था कि इससे आम उपभोक्ता आर्थिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने सरकार से स्मार्ट मीटर हटाकर फिर से साधारण मीटर लगाने की मांग की।

वाटर कैनन की मांग

जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को आगे नहीं बढने दिया तो कार्यकर्ताओं ने वाटर कैनन चलाने की मांग करते हुए अनोखे अंदाज में विरोध जताया। बैरिकेड्स के सामने कार्यकर्ता फिल्मी गानों की धुन पर नाचते-गाते रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।

बढ़ते बिजली बिलों के विरोध में शहर कांग्रेस कमेटी कांकेर ने चलाया जनजागरण अभियान

स्मार्ट मीटर बदलने हेतु वितरित किए फॉर्म

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ : शहर कांग्रेस कमेटी कांकेर द्वारा बढ़ते हुए बिजली बिलों की दरों के विरोध में सोमवार को जनसंपर्क एवं जनजागरण अभियान चलाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के मेन रोड में पहुंचकर आम जनता से मुलाकात की और स्मार्ट मीटर बदलने हेतु आवेदन फॉर्म का वितरण किया।

शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष यासीन करानी का कहना है कि प्रदेश में लगातार बिजली बिलों में हो रही बेतहाशा वृद्धि के कारण आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। बढ़े हुए बिजली बिलों से मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका घरेलू

बजट प्रभावित हो रहा है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

इसी मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मेन रोड के दुकानो में जाकर नागरिकों से संवाद किया। इस दौरान लोगों को स्मार्ट मीटर से संबंधित समस्याओं की जानकारी दी गई तथा स्मार्ट मीटर बदलने के लिए आवेदन फॉर्म वितरित किए गए। कार्यकर्ताओं ने आम जनता से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन कर अपनी समस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की। शहर कांग्रेस कमेटी ने कहा कि यदि बढ़ती बिजली दरों और स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याओं के लिए कांकेर शहर के हर वार्ड में जाकर, जनता के हित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन जारी रखा जाएगा। आज के इस कार्यक्रम मै ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष यासीन करानी, महामंत्री उदय प्रकाश शर्मा बंटी, रमेश गौतम, मनोज जैन, अजय भास्वानी, संग्राम नेताम, तारेन्द्र भंडारी, इसहाक अहमद, विजय यादव, मुकेश तिवारी, बबलू देवांगन, सरजू शोरी, चंद्रलोक ठाकुर, नरेश बिछिया, आलोक श्रीवास्तव, भौम सिंह नाग, तूकेश्वर साहू, शेष गजबिय, किशन साहू, सत्यार्थ कारयत, खोमेंदे उइके, निलेश कौशिक, जिशान अली, राजा ठाकुर, पंच राम सलाम विकी सोनी, रविंद्र सोनी, चंद्रकांत टेकाम, सूरज सोनकर, कमल नागवंशी, विनोद नाग, रंजन गोस्वामी, राजकुमार चोपड़ा और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यभार संभालने के बाद एसपी ने की पहली समीक्षा बैठक, कानून-व्यवस्था और जनसंवाद पर दिया जोर

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। बिते मंगलवार को जिले के नए एसपी उमेश प्रसाद गुप्ता ने पदभार ग्रहण करने के बाद राजपत्रित पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों की पहली परिचयात्मक बैठक ली। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, सामुदायिक पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और जनसुरक्षा से जुड़े मुद्दों की विस्तार से समीक्षा की गई।बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने जिले की वर्तमान सुरक्षा स्थिति तथा संचालित अभियानों और कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आपसी समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। एसपी

गुप्ता ने कहा कि आमजन की सुरक्षा, अपराधों पर त्वरित एवं प्रभावी नियंत्रण तथा कानून-व्यवस्था को मजबूत करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने चलित थाना और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से पुलिस और आम लोगों के बीच विश्वास एवं सहभागिता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि बीजापुर पुलिस आमजन की सुरक्षा और सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। सामुदायिक पुलिसिंग और शासन की जनहितकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के जरिए नागरिकों के साथ समन्वय बढ़ाते हुए जिले में शांति, सुरक्षा और विकास का वातावरण मजबूत किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) रविन्द्र कुमार मीणा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) अमन कुमार झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बासागुड़ा संजय ध्रुव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीजापुर चन्द्रकांत गवर्ना, एसडीओपी भोपालपटनम घनश्याम कामड़े, डीएसपी सिद्धार्थ बघेल, डीएसपी (डीआरजी) विनीत साहू, एसडीओपी कुटरू बृजकिशोर यादव, एसडीओपी भैरमगढ़ नवीन एक्का, एसडीओपी फरसेगढ़ अमन लखीसरानी, डीएसपी सिद्धार्थ चौहान, डीएसपी रोशन आहूजा, डीएसपी चन्द्रहास, रक्षित निरीक्षक बुधेश्वर सिंह सहित सभी थाना प्रभारी, यातायात प्रभारी, साइबर सेल प्रभारी और डीआरजी टीम के कमांडर मौजूद रहे।

सुकर सुअर श्रयी योजना से ग्रामीणों को मिली आजीविका की नई राह, 13 हितग्राहियों को वितरित किए गए सुकर

बकावंड/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बकावंड क्षेत्र अंतर्गत पशुपालन विभाग के द्वारा शासन की सुकर श्रयी योजना के तहत 13 पात्र हितग्राहियों को सुकर सुअहर वितरित किए गए। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना तथा पशुपालन को बढ़ावा देना है।वितरण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने और वैज्ञानिक तरीके से सुकर पालन कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की विभिन्न आजीविका योजनाएं ग्रामीण परिवारों की आर्थिक

स्थिति मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम में कृषि समिति सदस्य नवल भारती, कृषि समिति सदस्या श्रीमती खेमेश्वरी कश्यप, निर्माण समिति के सभापति अनिल बिसाई, जल एवं स्वच्छता समिति के सभापति बंनसी कश्यप, श्रीमती दयमती कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहे इस अवसर पर पशुपालन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हितग्राहियों को सुकर पालन, स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण और बेहतर प्रबंधन संबंधी आवश्यक जानकारी भी प्रदान की। हितग्राहियों ने शासन एवं पशुपालन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उन्हें स्थायी आय का नया स्रोत मिलेगा और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम का समापन के दौरान हितग्राहियों को जनप्रतिनिधियों के द्वारा शुभकामनाएं दीं गई

गुरु रविदास के समता और सामाजिक न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य महेश गागड़ा

गुरु रविदास जयंती वर्ष पर 29 जुलाई से देशव्यापी समरसता संकल्प अभियान, सात माह तक होंगे विविध आयोजन

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। गुरु पूर्णिमा से भारतीय जनता पार्टी देशभर में समरसता संकल्प अभियान शुरू करने जा रही है। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक चलने वाले इस अभियान के तहत जनजागरण, कलश वंदन, संत संपर्क, समरसता यात्रा और छात्र संपर्क जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान की जानकारी मंगलवार को भाजपा के अटल सदन में आयोजित पत्रकार वार्ता में पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने दी। गागड़ा ने कहा कि गुरु रविदास महाराज किसी एक समाज के नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के संत हैं। उनके समता, सामाजिक न्याय, मानवता, सेवा, सद्भाव और सामाजिक समरसता के विचार आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य गुरु रविदास के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ विकसित भारत के निर्माण में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने संत-महात्माओं, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों से अभियान में जुड़ने की अपील की।

51 हजार से अधिक दीप जलाकर होगी शुरुआत

उन्होंने बताया कि अभियान का शुभारंभ 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशभर के मंदिरों में 51 हजार से अधिक दीप प्रज्ज्वलित कर किया जाएगा। इसके साथ श्री गुरु रविदास महाराज कलश वंदन अभियान

के तहत वाराणसी स्थित जन्मस्थली से पवित्र मिट्टी और जल से भरे कलश विभिन्न राज्यों, जिलों और मंदिरों तक पहुंचाए जाएंगे। इस दौरान भजन-कीर्तन, धार्मिक प्रवचन, दीप महोत्सव और सामाजिक समरसता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित होंगे।

संत संपर्क से छात्र संवाद तक कई चरणों में अभियान

गागड़ा ने बताया कि 29 जुलाई से 31 अगस्त तक संत संपर्क अभियान चलाकर गुरु रविदास परंपरा से जुड़े संतों, महंतों और धार्मिक संस्थाओं से संवाद और सम्मान किया जाएगा। इसके बाद 5 अक्टूबर से 5 नवंबर तक श्री गुरु रविदास समरसता यात्रा विभिन्न राज्यों से होते हुए वाराणसी पहुंचेगी।

अभियान के अंतिम चरण में 26 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक छात्र संपर्क अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके तहत विद्यालयों और महाविद्यालयों में समरसता संवाद, चित्र प्रदर्शनी, संगोष्ठियां और प्रतियोगिताओं का आयोजन कर युवाओं को गुरु रविदास महाराज के जीवन, दर्शन और उनके सामाजिक समरसता के संदेश से जोड़ा जाएगा।

प्रदेश से मंडल स्तर तक बन रही समितियां

गागड़ा ने बताया कि अभियान के संचालन के लिए प्रदेश, जिला और मंडल स्तर पर समितियों का गठन शुरू कर दिया गया है। उनके अनुसार यह अभियान केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और विकसित भारत के निर्माण का व्यापक जनअभियान होगा।

पत्रकार वार्ता में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, भाजपा जिला अध्यक्ष घासीराम नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा, मंडल अध्यक्ष अशोक राव, जिला मीडिया प्रभारी प्रताप यादव, जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत सदस्य सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बदलते बस्तर का संदेश लेकर दिल्ली रवाना हुआ बस्तर का प्रतिनिधिमंडल, राष्ट्रपति से करेंगे मुलाकात, बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति से कराएंगे परिचित

प्रतिनिधिमंडल में मांझी, चालाकी, बस्तर पंडुम के जनजातीय कलाकार और समाज प्रतिनिधि शामिल

नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में मिली ऐतिहासिक सफलता के लिए जताएंगे आभार

जगदलपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, सामाजिक परंपराओं और बदलते बस्तर की नई तस्वीर को राष्ट्रीय पटल पर प्रस्तुत करने के उद्देश्य से बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुख, बस्तर पंडुम-2026 के प्रसिद्ध जनजातीय युवा कलाकार, जनजातीय समाज प्रतिनिधि तथा बस्तर के पद्मश्री सम्मान प्राप्तकर्ताओं सहित 164 व्यक्तियों का प्रतिनिधिमंडल आज दिल्ली के लिए रवाना हुआ। यह प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन में आयोजित कार्यक्रम में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू से 30 जुलाई 2026 को मुलाकात करेगा तथा बस्तर की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और सामाजिक व्यवस्था से उन्हें

अवगत कराएगा।

बस्तर के युवा संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभा के बल पर देशभर में बना रहे नई पहचान - प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राष्ट्रपति के समक्ष यह संदेश भी रखेंगे कि आज का बस्तर हिंसा और भय की पहचान से निकलकर शांति, विकास और विश्वास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। बस्तर के युवा अपनी संस्कृति, परंपराओं और प्रतिभा के बल पर देशभर में नई पहचान बना रहे हैं। वे राष्ट्रपति को बताएंगे कि शासन की विकासोन्मुखी पहल और सुरक्षा बलों के सतत प्रयासों से नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में ऐतिहासिक सफलता मिली है, जिससे बस्तर में शिक्षा, पर्यटन, रोजगार और जनजीवन को नई गति मिली है।

बस्तर की नई पहचान शांति, विकास और लोकतांत्रिक भागीदारी- प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति के प्रति बस्तरवासियों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए संदेश देंगे कि अब बस्तर की पहचान केवल प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध जनजातीय संस्कृति ही नहीं, बल्कि शांति, विकास, लोकतांत्रिक भागीदारी और नई उम्मीदों से भी जुड़ चुकी है। बस्तर के युवा पूरे देश को बताएंगे कि नया बस्तर अवसरों, आत्मविश्वास और प्रगति का बस्तर है।

राष्ट्रपति भवन तक पहुंचेगी बस्तर की लोकसंस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक मूल्यों की गूंज- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दिल्ली रवाना हो रहे बस्तर के परगना मांझी, चालाकी, समाज प्रमुखों एवं युवा प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह प्रतिनिधिमंडल केवल बस्तर का नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन तक बस्तर की लोकसंस्कृति, रीति-रिवाज और सामाजिक मूल्यों की गूंज पहुंचना पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि आज का बस्तर बदल रहा है। कभी नक्सलवाद की छाया से पहचाना जाने वाला बस्तर अब शांति, विकास, शिक्षा, पर्यटन, खेल और सांस्कृतिक चेतना की नई पहचान बना रहा है। हमारे युवा देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था तक पहुंचकर इस सकारात्मक परिवर्तन का संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल माननीय राष्ट्रपति के समक्ष बस्तरवासियों की ओर से नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में मिले सहयोग और देश के नेतृत्व के प्रति आभार भी व्यक्त करेगा। यह यात्रा देश को यह संदेश देगी कि बस्तर अब भय का नहीं, बल्कि विश्वास, विकास, संस्कृति और नए अवसरों का बस्तर है।

तीन नगर पंचायतों में सीएमओ नहीं, मातहतों को बनाया प्रभारी

रायगढ/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद बड़े शहर तो बढ़े, लेकिन छोटे कस्बे भी तेजी से शहरीकरण की ओर बढ़ते गए हैं। शहरी निकायों की संख्या भी बढ़ती गई। लेकिन सरकार इन संस्थाओं को हमेशा दोयम दर्जे का ही मानती आई। यही कारण है कि आधे से अधिक नगर पंचायतों में मातहतों को सीएमओ जैसा पद दिया। रायगढ़ ऐसे तीन नगर पंचायत हैं। शहरी निकायों के नाम पर केवल प्रदेश में केवल नगर निगमों को ही गिना जाता है। बाकी को सरकार बैसाखी का सहारा देकर चला रही है। प्रदेश में कुल 194 नगरीय निकाय हैं। इनमें कुल 14 नगर निगम, 59 नगर पालिका और 121 नगर पंचायत हैं।इनमें से 82 में मातहत कर्मचारियों को सीएमओ का प्रभार दिया गया है। 17 नगर पालिका परिषद और 65 नगर पंचायत ऐसे हैं जहां सहायक ग्रेड-2 को भी सीएमओ बनाया गया है। विवादों में रहने वाली पोस्टिंग पर सरकार भी कोई सख्त फैसला नहीं कर पा रही है। कई बार तो ऐसा हो गया है कि जिस निकाय में भ्रष्टाचार के कारण अधिकारी निलंबित हुआ था, कुछ समय बाद उसकी पोस्टिंग वहीं हो गई। वर्तमान में रायगढ़ जिले के नपं किरोड़ीमल नगर में देवेंद्र सिंह सीएमओ हैं जो सहायक राजस्व निरीक्षक हैं। इसी तरह नपं धरमजयगढ़ में प्रभाकर शुक्ला को सीएमओ बनाया गया है जो राजस्व उप निरीक्षक हैं। इन निकायों में विकास कार्यों को लेकर विवाद और भ्रष्टाचार इसीलिए होता है क्योंकि काम पर इनका नियंत्रण ही नहीं होता। इस तरह की पदस्थापना के पीछे तगड़ी लॉबिंग होती है।

गंधरी पुलिया में बाइक सवार की लापरवाही के कारण नाले में घुसा

रायगढ/मूक पत्रिका

लगातार हो रही बारिश से जहां शहर का जनजीवन प्रभावित हुआ है वहीं रायगढ़ रेलवे स्टेशन से लगे मोहदा पारा के रेलवे अंडर बाई पास में आज गम्भीर हादसे में चलती मोटर साइकिल इस रास्ते में गहरे नाले में जा फंसी, अचानक हुए इस हादसे में मोटर साइकिल सवार युवक बाल बाल बचा, दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने घंटों मशक्कत करके नाले में घंसी मोटर साइकिल को बाहर निकाल लिया पर प्रशासन या निगम के अलावा कोई दूसरा बचाव दल दूर दूर तक नहीं था। समय रहते वहां से गुजर रहे लोग उस मोटर साइकिल सवार की मदद नहीं करते तो उसकी जान भी जा सकती थी।

चेतावनी के बोर्ड के बाद भी उपयोग

रेलवे अंडर बाई पास का ये रास्ता बीते कई माह से खतरे की घंटी मानते हुए निगम प्रशासन और रेलवे प्रशासन ने आवाजाही पर रोक लगाने के लिए बकायदा सुचना लगा दी है पर शहर से लगे इस रास्ते का उपयोग रोजाना लोग कर रहे हैं। बारिश के चलते ये रास्ता बेहद खतरनाक माना जाता है इसलिए निगम प्रशासन ने इसको बंद करने के लिए भी जाम किया पर स्थानीय विरोध करने पर बैरिकेट्स हटाने पर लोगो काआवागमन फिर शुरू हो गया।

खरीदने के बाद डायवर्सन भी करवाया, आदिवासी को खेती करने के लिए मिली थी भूमि, नियमों की दुहाई देने वाले राजस्व अधिकारी खामोश

शासकीय पट्टे की जमीन खरीदने-बेचने वालों को मिलेगा नोटिस

रायगढ/मूक पत्रिका

पुसौर तहसील के नावापाली में शासकीय पट्टे की जमीन खरीदने-बेचने वालों के विरुद्ध जांच शुरू हो गई है। रायगढ़ अनुविभाग में ऐसी गड़बड़ी सामने आने के बाद सब हैरान हैं। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में दोनों को नोटिस दिया जाएगा। वर्तमान में पूरे जिले में रायगढ़ अनुविभाग को आदर्श कार्यालय की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। यहां राजस्व सुधार के लिए काम किए जा रहे हैं। अधिकारी भी अपना कर्त्तव्य सही तरीके से निभा रहे हैं, लेकिन इस बीच नावापाली में शासकीय पट्टे की भूमि खरीदने और

बेचने का मामला सामने आया जिसके बाद आमजन का भरोसा डगमगाया है। मेडिकल कॉलेज रोड पर पुसौर तहसील के नावापाली में खसरा नंबर 32/8 रकबा 0.809 हे. हीरालाल सिदार नामक आदिवासी को आवंटित थी।इस जमीन पर केवल खेती की जा सकती है। शासकीय पट्टे की जमीन को बिना कलेक्टर की अनुमति के फागुलाल सिंह पिता बिहारीलाल सिंह जाति राजपूत नामक गैर आदिवासी ने खरीद लिया।

इस तरह से एक आदिवासी फिर से भूमिहीन हो गया। फागुलाल ने जमीन से अवैध कमाई करने के लिए इसे दूसरे को पलटी कर दिया। 23 फरवरी 2026 को फागुलाल ने इसकी रजिस्ट्री पीजी इंटरप्राइजेस संचालक प्रमोद अग्रवाल के नाम पर करवा दी। इसके बाद भूमि का डायवर्सन एसडीएम रायगढ़ ने कर दिया। अब एसडीएम रायगढ़ ने इस मामले को संज्ञान में लेकर पूरी फाइल तलब की है। मूल आवंटी और दोनों खरीदारों को नोटिस देने की तैयारी की गई है।

नामांतरण के पहले भी कोई नहीं देख सका

इस जमीन का नामांतरण नई सुविधा के तहत हुआ है। जब सरकार ने नामांतरण की प्रक्रिया को तहसीलदारों से छीनकर उप पंजीयक को दिया था, तब इस पर सवाल उठे थे। उप पंजीयकों के पास जमीनों के कोई रिकॉर्ड देखने की सुविधा नहीं होती। इस वजह से रजिस्ट्री के बाद बिना देखे नामांतरण हो रहे हैं। यदि तहसीलदार ही नामांतरण करते तो आवेदन पर रिकॉर्ड मंगवाते।

हाई स्कूल में सायकिल वितरण का विरोध, रवि भगत ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल, पुलिस ने हिरासत में लिया

रायगढ/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिला के लैलूंगा ब्लॉक में सरस्वती सायकिल योजना के तहत शासकीय हाई स्कूल कूपाकानी में सायकिल वितरण किया जाना था। ऐसे में सभी तैयारियां कर ली गई थी, लेकिन तभी पूर्व भाजयुमो नेता रवि भगत वहां पहुंचे और सायकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए इसका विरोध किया।

जिसके बाद स्कूल के प्राचार्य ने इसकी सूचना थाना में दी। जहां पुलिस ने रवि भगत को हिरासत में लिया है। मिली जानकारी के मुताबिक शासकीय हाई स्कूल कूपाकानी में मंगलवार को 7 छात्राओं को

सायकिल वितरण किया जाना था। ऐसे में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। तभी रवि भगत यहां पहुंचे और वितरण किए जाने वाले सायकिल की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। रवि भगत का कहना था कि सायकिल में हीरो लिखा है और स्टीकर कावेरी का है। यही नहीं सायकिल का बिल-रसीद दिखाने की बात कही। ताकि जानकारी मिल सके कि आखिर कितने दाम की एक सायकिल है। इसे देखते हुए स्कूल के प्राचार्य ने उन्हें समझाने की कोशिश की, कि शासन के योजना के तहत आए हुए सायकिल को वितरण किया जा रहा है।

प्राचार्य ने उच्चाधिकारियों को दी जानकारी-तब रवि भगत ने उच्चाधिकारियों को बुलाने की बात कहते हुए, गुणवत्ता विहीन सायकिल को वितरण नहीं करने देने की बात कही। जिसके बाद प्राचार्य ने मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को देते हुए थाना में इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और रवि भगत को हिरासत में लेकर थाना ले आए। जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है। शासन स्तर पर खरीदी की जाती है इस संबंध में लैलूंगा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रवि सारथी ने बताया कि हमने अपने उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी है। शासन स्तर पर सायकिल क्रय किया गया है। जिसे सरस्वती सायकिल योजना के तहत वितरण किया जाना था। आज 7 सायकिल बांटे जा रहे थे। तब रवि भगत ने इसका विरोध किया। प्राचार्य ने इसकी सूचना थाना में दी है।

लात नाला में कार समेत बहे दम्पत्ति की खोज जारी, नही मिला अब तक कुछ, उफनते नाले में मुस्तैद आपदा राहत, पुलिस और प्रशासन की टीम

कलेक्टर ने घटनास्थल का किया दोबारा मुआयना

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

मूसलाधार बारिश के बीच लात नाला (माधोपाली पुल) पर घटित दुःखद घटना पानी में कार समेत बहे दम्पत्ति (चालक देवनारायण पटेल एवं उनकी पत्नी) की तलाश में आपदा राहत, जिला प्रशासन और पुलिस की त्वरित व साहसिक कार्रवाई लगातार जारी है।हादसे के 35 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस, एसडीआरएफ और एनडीआरएफकी संयुक्त टीमें उफनती

नदी के तेज बहाव और विकट परिस्थितियों की परवाह किए बिना युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं।घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बिना समय गंवाए खुद मोर्चा संभाला और सीधे ग्राउंड जीरो पर लगातार सोमवार और मंगलवार को आकर पूरी रेस्क्यू मुहिम का नेतृत्व किया। अधिकारियों की टीम तत्परता और संवेदनशीलता के साथ जवानों का हौसला बढ़ाते हुए परिवार के संकट की घड़ी में मुस्तैद है। ?अमझर पुल सहित आसपास के दुर्गम क्षेत्रों में जवान और स्थानीय ग्रामीण और पीड़ित परिजन भी पुलिस व प्रशासन के प्रयासों में अपनी भागीदारी निभा रहे हैं। रेस्क्यू को गति देने के लिए बाहर से विशेषज्ञ गोताखोरों की टीम को तत्काल बुलाया गया है और सभी एजेंसियां समन्वय के साथ काम कर रही हैं।

कलेक्टर, एसपी ,विधायक और जिला शिक्षा अधिकारी को दी गई हड़ताल की लिखित सूचना, संविलियन, वेतन वृद्धि और सेवा सुरक्षा सहित कई मांगों को लेकर करेंगे आंदोलन

4 और 5 अगस्त को ठप पड़ सकती है स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की व्यवस्था, सारंगढ़-बिलाईगढ़ सहित पूरे छत्तीसगढ़ के संविदा शिक्षक-कर्मचारी रहेंगे दो दिवसीय हड़ताल पर

बरमकेला/मूक पत्रिका

प्रदेश की महत्वाकांक्षी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना में कार्यरत संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों ने अब अपनी मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। छत्तीसगढ़ स्वामी आत्मानंद संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ ने 4 एवं 5 अगस्त 2026 को दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल की घोषणा कर दी है। हड़ताल का असर सारंगढ़-बिलाईगढ़ सहित प्रदेश के सभी जिलों में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालयों में देखने को मिल सकता है। हड़ताल की सूचना संघ द्वारा सभी जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों (एसपी), जिला शिक्षा अधिकारियों एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को लिखित रूप से भेज दी गई है। संघ का कहना है कि वर्षों से विभिन्न मांगों को लेकर शासन और प्रशासन के समक्ष ज्ञापन प्रस्तुत किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए कोई ठोस और सकारात्मक पहल नहीं की गई है। इसी कारण कर्मचारियों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाना

पड़ रहा है। स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में कार्यरत संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी निभाने वाले ये शिक्षक और कर्मचारी लंबे समय से सेवा सुरक्षा, वेतनमान और भविष्य को लेकर असमंजस की स्थिति में काम कर रहे हैं। संघ का आरोप है कि विद्यालयों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद संविदा कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारियों के समान सुविधाएं और अधिकार प्राप्त नहीं हैं।

ये हैं कर्मचारियों की प्रमुख मांगें

संघ द्वारा जारी हड़ताल सूचना पत्र में जिन मांगों का उल्लेख किया गया है, उनमें प्रमुख रूप से–समस्त संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों का शिक्षा विभाग में संविलियन।वेतन वृद्धि एवं उचित वेतनमान की व्यवस्था।सेवा सुरक्षा और पेंशन संबंधी लाभ प्रदान करना।सभी संविदा कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 50 लाख रुपये का बीमा लागू करना।मध्यप्रदेश सरकार की तर्ज पर संविदा नियुक्ति नियम लागू करना।संविदा कर्मचारियों के लिए स्थायी एवं स्पष्ट सेवा नीति का निर्माण।संघ का कहना है कि इन मांगों को लेकर कई बार शासन-प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए हैं। विभिन्न स्तरों पर अधिकारियों से चर्चा भी हुई, लेकिन अब तक किसी भी मांग पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कर्मचारियों का मानना है कि यदि समय रहते उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता, तो उन्हें आंदोलन करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

दो दिनों तक प्रभावित हो सकती हैं विद्यालयों की गतिविधियां-4 और 5 अगस्त को प्रस्तावित इस दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल का सीधा असर प्रदेशभर के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में देखने को मिल सकता है। बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारियों के हड़ताल में शामिल होने की संभावना के चलते नियमित शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। विद्यालयों में पढ़ाई, प्रशासनिक कार्यों और अन्य व्यवस्थाओं पर इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में भी शिक्षक एवं कर्मचारी इस आंदोलन में शामिल होंगे। ऐसे में विद्यार्थियों और अभिभावकों को भी दो दिनों तक विद्यालयी गतिविधियों में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है।

वैकल्पिक व्यवस्था को लेकर टिकी निगाहें-4 और 5 अगस्त को स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के हड़ताल पर रहने की घोषणा के बाद अब विद्यार्थियों और अभिभावकों की निगाहें जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग पर टिकी हुई हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि हड़ताल के दौरान विद्यालयों में शिक्षण कार्य और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का संचालन किस प्रकार किया जाएगा।स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में बड़ी संख्या में संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यरत हैं। यदि कर्मचारी हड़ताल में शामिल होते हैं तो दो दिनों तक विद्यालयों की नियमित शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। ऐसे में जिला शिक्षा विभाग द्वारा किसी प्रकार की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी या नहीं, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए शिक्षा विभाग किस प्रकार की व्यवस्था करेगा, इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग हड़ताल के दौरान विद्यालयों के संचालन को लेकर क्या निर्णय लेते हैं।

शासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए सांकेतिक हड़ताल-संघ ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल यह दो दिवसीय सांकेतिक हड़ताल है, जिसका उद्देश्य शासन और प्रशासन का ध्यान कर्मचारियों की समस्याओं की ओर आकर्षित करना है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि इसके बाद भी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता है, तो आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है।हड़ताल की सूचना पत्र में उल्लेख किया गया है कि प्रदेशभर के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी 4 एवं 5 अगस्त को अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन में सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे।

विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े से मिले संविदा कर्मचारी, मांगों के निराकरण का मिला सकारात्मक आश्वासन-दो दिवसीय हड़ताल की घोषणा से पूर्व स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्रीय विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े से मुलाकात कर अपनी विभिन्न मांगों से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने संविलियन, वेतन वृद्धि, सेवा सुरक्षा, पेंशन, बीमा सहित अन्य लंबित मांगों को विधायक के समक्ष विस्तार से रखा। विधायक उत्तरी गनपत जांगड़े ने कर्मचारियों की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें सकारात्मक आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की जायज मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा तथा इस संबंध में संबंधित विभाग और सरकार के समक्ष विषय को प्रमुखता से रखा जाएगा।

अब शासन की ओर टिकी हैं निगाहें-प्रदेश की महत्वाकांक्षी शिक्षा योजना से जुड़े हजारों संविदा शिक्षक एवं कर्मचारियों के आंदोलन की घोषणा के बाद अब सबकी निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं। क्या शासन कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करेगा या आने वाले दिनों में आंदोलन और उग्र होगा, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। फिलहाल इतना तय है कि 4 और 5 अगस्त को पूरे छत्तीसगढ़ में स्वामी आत्मानंद विद्यालयों के संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर एकजुट होकर हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल सूचना सौंपने एवं बैठक के दौरान संविदा शिक्षक एवं कर्मचारी संघ के सदस्य उपस्थित रहे।

एसडीएम और खाद्य अधिकारी बने 'निक्षय मित्र', टीबी मरीजों को लिया गोद

टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए टीबी मरीजों के इलाज में कोई भी मदद कर सकता है 3000

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू की उपस्थिति में टीबी मरीजों की मदद करने पर एसडीएम उमेश साहू एवं जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे को 'निक्षय मित्र' बनाया गया। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त पहल लगातार प्रभावी साबित हो रही है। अभियान को और मजबूती देते हुए एसडीएम उमेश साहू एवं जिला खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे ने 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी मरीजों को गोद लिया है। दोनों अधिकारी अब मरीजों को उपचार अवधि के दौरान लगातार पोषण संबंधी सहायता उपलब्ध कराने में 6 माह तक ?500 (कुल 3000 रूपये) सहयोग करेंगे। कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू के मार्गदर्शन में जिले में अधिक से अधिक 'निक्षय मित्र' बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पेंद्र वैष्णव के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग टीबी मरीजों की पहचान, समय पर उपचार तथा पोषण सहायता सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, वर्ष 2026 में अब तक जिले में 305 से अधिक टीबी मरीजों के लिए 'निक्षय मित्र' बनाए जा चुके हैं। इस पहल से मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनका मनोबल भी बढ़ रहा है, जिससे उपचार के बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। गौरतलब है कि भारत सरकार की निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को उपचार अवधि में पोषण सहायता प्रदान की जाती है। वहीं, 'निक्षय मित्र' पहल के माध्यम से समाज के सक्षम व्यक्ति एवं अधिकारी स्वेच्छा से मरीजों को गोद लेकर उन्हें पोषण किट एवं आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराते हैं। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से भी अधिक से अधिक संख्या में 'निक्षय मित्र' बनकर टीबी उन्मूलन अभियान में सहभागिता निभाने की अपील की है। प्रशासन का लक्ष्य सारंगढ़- बिलाईगढ़ को जल्द से जल्द टीबी मुक्त जिला बनाना है।

सुरक्षा बलों ने नक्सली डंप संगठन हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री की बरामद

कोयलीबेड़ा जंगलों में डीआरजी, बीएसएफऔर बीडीएस की संयुक्त कार्रवाई,

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:-कांकेर 28 जुलाई कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गट्टाकाल और दरवीकोड़ो के बीच जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने संयुक्त सर्चिंग अभियान के दौरान नक्सलियों के डंप का पर्दाफाश करते हुए हथियार, गोला-बारूद, बीजीएल सेल, डेटोनेटर तथा अन्य नक्सली सामग्री बरामद की है। कार्रवाई डीआरजी, बीएसएफ एवं बीडीएस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में जिले के संवेदनशील एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 27 जुलाई को सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई सामग्री बरामद हुई।बरामद सामग्री में एक यूबीजीएल, एक देसी कट्टा, यूबीजीएल सेल, एके-47 एवं एसएलआर के राउंड, .303 राइफल के कारतूस, 8 एमएम तथा 9 एमएम पिस्टल के राउंड, एके-47 और एसएलआर की मैगजीन, 10 बीजीएल सेल, 10 बीजीएल राउंड, 20 डेटोनेटर, लगभग 10 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (पटाका बारूद) तथा एक बाइनाकुलर सहित अन्य सामग्री शामिल है। सुरक्षा की दृष्टि से बीडीएस टीम ने मौके पर ही विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित तरीके से निष्प्रभावी कर नष्ट कर दिया। इस अभियान में बीएसएफ 40वीं वाहिनी, डीआरजी और कोयलीबेड़ा पुलिस के अधिकारियों एवं जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कांकेर पुलिस ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने के उद्देश्य से संयुक्त सर्चिंग अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

गुरु रविदास जयंती पर चलेगा देशव्यापी 'समरसता संकल्प अभियान

बेमेतरा/मूक पत्रिका

संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले देशव्यापी ÷समरसता संकल्प अभियान÷ को लेकर मंगलवार को बेमेतरा में प्रेस वार्ता आयोजित की गई।प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू ने बताया कि अभियान 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक देशभर में चलाया जाएगा। इसकी शुरुआत गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 29 जुलाई को समरसता दीप महोत्सव से होगी। अभियान के अंतर्गत कलश वंदन, समरसता यात्रा, संत संपर्क अभियान सहित विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समरसता, समानता और राष्ट्रीय एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए समरस और विकसित भारत के निर्माण के लिए जनजागरण करना है।

प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, प्रदेश मंत्री संध्या परगनिहा, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, केशव साहू सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तिरपाल के नीचे गुजर रहा जीवन, ग्रामीणों ने कलेक्टर से लगाई प्रधानमंत्री आवास की गुहार

मानवीय आधार पर प्रथम प्राथमिकता से आवास स्वीकृत करने की मांग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत बेमेतरा अंतर्गत ग्राम भिनपुरी (ग्राम पंचायत रजकुड़ी) के निवासी मनहरण विश्वकर्मा की अत्यंत दयनीय आवासीय स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर बेमेतरा को ज्ञापन सौंपकर प्रधानमंत्री आवास योजना (आवास प्लस 2.0) के तहत उन्हें प्रथम प्राथमिकता पर आवास स्वीकृत करने की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि मनहरण विश्वकर्मा लंबे समय से तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड और बारिश जैसे हर मौसम में उनके पास सुरक्षित एवं पक्का आवास नहीं है। लगभग एक वर्ष पूर्व उनकी माता के निधन के बाद वे अकेले जीवन-यापन कर रहे हैं और बेहद कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि आवास प्लस 2.0 की सूची में मनहरण विश्वकर्मा का ओवरऑल रैंक 181 तथा कैटेगरी रैंक 135 है। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान क्रम से उन्हें योजना का लाभ मिलने में वर्षों लग सकते हैं, जबकि पूरे ग्राम पंचायत में उनकी स्थिति सबसे अधिक गंभीर और दयनीय है।

ग्रामीणों के अनुसार मनहरण का वर्तमान आश्रय रहने योग्य नहीं है। उनका कहना है कि कई किसानों के मवेशियों के रहने के स्थान भी उनकी झोपड़ी से बेहतर हैं। इसे मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ग्रामीणों ने कलेक्टर से आग्रह किया है कि संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कराया जाए तथा मानवीय आधार पर प्रधानमंत्री आवास योजना (आवास प्लस 2.0) के अंतर्गत मनहरण विश्वकर्मा को प्रथम प्राथमिकता देते हुए शीघ्र आवास स्वीकृत किया जाए, ताकि वे भी सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जी सकें।ग्रामीणों ने ज्ञापन के साथ मनहरण विश्वकर्मा के वर्तमान निवास की तस्वीर भी संलग्न कर प्रशासन से संवेदनशील एवं त्वरित निर्णय लेने की अपील की है।

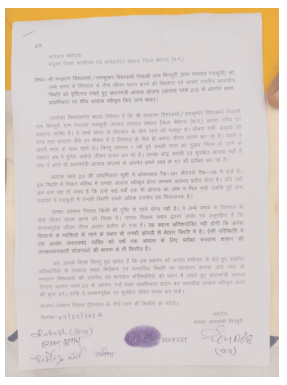

आज 'समर्थ' में लगेगा कृत्रिम अंग शिविर, पात्र दिव्यांगजनों को मिलेंगे सहायक उपकरण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले के दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए 29 जुलाई को जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (समर्थ), एजुकेशन सिटी बीजापुर में जिला स्तरीय कृत्रिम अंग प्रदाय शिविर आयोजित किया जाएगा। सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस शिविर में विशेषज्ञों की टीम दिव्यांगजनों का परीक्षण और मूल्यांकन करेगी।

शिविर में पहले दिव्यांगजनों का चिन्हांकन, परीक्षण और मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद पात्र हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रशासन का मानना है कि इससे दिव्यांगजनों की गतिशीलता बढ़ेगी और वे दैनिक कार्य अधिक आसानी से कर सकेंगे। शिविर के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को मेडिकल बोर्ड की टीम की उपलब्धता सुनिश्चित करने, दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा जरूरत पड़ने पर मेडिकल प्रमाण-पत्र जारी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।वहीं जिले की सभी जनपद पंचायतों के सीईओ, नगर पालिका परिषद बीजापुर के मुख्य नगरपालिका अधिकारी तथा नगर पंचायत भैरमगढ़ और भोपालपटनम के मुख्य नगर पंचायत अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के दिव्यांगजनों तक शिविर की जानकारी पहुंचाने और उन्हें शिविर स्थल तक लाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने पात्र दिव्यांगजनों और उनके परिजनों से निर्धारित तिथि और समय पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (समर्थ), एजुकेशन सिटी बीजापुर पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

चारामा में नेचर पार्क के सामने 'ट्री एटीएम' का किया गया स्थापना नागरिकों को पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/:- उत्तर बस्तर कांकेर 28 जुलाई 2026/हरित पर्यावरण को बढ़ावा देने एवं जनसहभागिता से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वनमंडल कांकेर के अंतर्गत चारामा परिक्षेत्र में नेचर पार्क जैसाकर्रा चारामा के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने ÷ट्री एटीएम÷ की स्थापना की गई है। इस अभिनव पहल के माध्यम से वर्षा ऋतु के वर्तमान रोपण सत्र में क्षेत्र के किसान, ग्रामवासी, विद्यार्थी, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं इच्छुक नागरिकों को पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके। ट्री एटीएम में स्थानीय जलवायु के अनुरूप विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार एवं औषधीय पौधे उपलब्ध कराए गए हैं। इच्छुक व्यक्ति अपनी आवश्यकता के अनुसार पौधे प्राप्त कर उन्हें अपने खेतों, घरों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर रोपित कर सकते हैं। चारामा परिक्षेत्र का यह ट्री एटीएम वन विभाग की जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अभिनव पहल है, जो वृक्षारोपण को सरल, सुलभ एवं जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वन विभाग ने किसानों एवं नागरिकों से अपील की है कि वे इस पहल का अधिकतम लाभ उठाएँ तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प भी लें, इससे क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ेगा और पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण भी होगा

विद्युत तार से हुकिंग कर जंगली सुअर का शिकार

रायगढ़/मूक पत्रिका

जिले में जंगली सुअर का शिकार कर उसका मांस बेचने के मामले में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। पहले गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के बाद फरार चल रहे उसके चार साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।वन विभाग को 20 जुलाई को सूचना मिली थी कि जुनवानी सर्किल के ग्राम गेरवानी नदी के पास एक व्यक्ति जंगली सुअर का मांस बेचने जा रहा है। सूचना मिलते ही वन अमले ने दबिश देकर टीकाराम कंवर (48) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में टीकाराम कंवर ने बताया कि, बिजली के तार से हुकिंग कर जंगली सुअर का शिकार किया गया था। शिकार के बाद टांगी से काटकर करीब 7.5 किलो मांस थैले में भरकर गांव में बेचने ले जाया जा रहा था।आरोपी ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया कि, वारदात में उसके चार बाकी साथी भी शामिल थे। इसके आधार पर वन विभाग ने जयप्रकाश धनवार (20), हीरा धनवार (26), कन्हैया यादव (26) और लखन यादव (26), सभी निवासी ग्राम छिंदभौना की तलाश शुरू की।चारों फरार आरोपी भी गिरफ्तार-वन विभाग ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए सभी फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद उनके खिलाफ अपराध दर्ज किया गया और न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में उप वनमंडलाधिकारी (प्रशिक्षु आईएफएस) तन्मय कौशिक, रेंजर संजय लकड़ा, सर्किल प्रभारी जुनवानी ललित राठिया, राजकुमार सारथी, वनरक्षक कुशल कंवर, राहुल गुप्ता, सरोज भोय तथा परिसर रक्षक पालू साहू, तुलसी बसोड़ और दाताराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

` सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से मिले जिला सहकारी बैंकों के अध्यक्ष

सहकारिता के सशक्तिकरण पर अहम बैठक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप हुए शामिल

सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाने, पैक्स समितियों के सशक्तिकरण और लंबित समस्याओं के समाधान पर हुई विस्तृत चर्चा

जगदलपुर/मूक पत्रिका

पवन कुमार नाग -। मंत्रालय महानदी भवन में सहकारिता मंत्री केदार कश्यप से प्रदेश के सहकारी बैंकों के अध्यक्षों ने सौजन्य भेंट कर सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के विभिन्न विषयों पर चर्चा की। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, जगदलपुर के अध्यक्ष दिनेश कश्यप भी शामिल हुए।बैठक में पैक्स समितियों के माध्यम से किसानों को उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं एवं सुविधाओं की समीक्षा की गई। साथ ही प्राथमिक कृषि साख समितियों को मजबूत करने, सहकारी संस्थाओं के कार्य-व्यवसाय के विस्तार और पारदर्शी संचालन पर विशेष जोर दिया गया।

इस दौरान सहकारी बैंकों के अध्यक्षों ने बैंकों एवं समितियों के संचालन से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों को मंत्री के समक्ष रखा। इनमें रिक्त पदों पर भर्ती, कर्मचारियों के स्थानांतरण, धान खरीदी के दौरान आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, कालातीत ऋणों की वसूली, अनुकंपा नियुक्ति, कर्मचारियों के भत्ते तथा एक्सग्रेशिया भुगतान जैसे विषय प्रमुख रहे। सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने इन सभी मुद्दों के समाधान के लिए आवश्यक एवं सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने डिजिटल तकनीक के उपयोग, समितियों के आधुनिकीकरण, पारदर्शिता बढ़ाने तथा ग्रामीण स्तर पर जागरूकता अभियान चलाकर सहकारी संस्थाओं को अधिक प्रभावी एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी बल दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।